हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 303, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 मई, 2024 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों ने जो किया वो मैं कभी नहीं भूल सकता : मोदी

पीएम ने किया नेहरु को याद, लालू पर हमला, कहा- जमानत पर घूम रहे शहजादे के पिता

पटना। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना के समय में कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों ने जो किया वो मैं कभी नहीं भूल सकता। दिल्ली और महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन की सरकार थी। उस समय कांग्रेस की सरकार ने बिहार के नौजवान, बेटियों और बहनों को भगा दिया था। पीएम ने कहा कि मोदी को मजबूती मिलेगी और मोदी मजबूती से और पांच साल सेवा करेगा। पहले मतदान फिर जलपान। आप मेरा एक काम करेंगे क्या? आप घर से जाकर कहना पीएम मोदी ने सबको अपना प्रणाम कहा है। पीएम मोदी ने भारत माता के जयकारे लगाकर अपना संबोधित समाप्त किया।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें बिहार को लालटेन के दौर में वापस नहीं जाने देना है। दिल्ली वाले शहजादे एक नई बात लेकर आए हैं। हमारे परिवार में मां-बाप अपने बच्चों के लिए कुछ न कुछ बचाते हैं। एक घर बना दूं, गाड़ी और खेत खरीद कर दे दूं ताकि बच्चों काम आ जाएगा। हर मां-बाप की इच्छा होती है कि बच्चों को कुछ देकर जाए। यह कांग्रेस ऐसा कानून बनाना चाहती है कि आपके मां-बाप की संपत्ति आपको नहीं मिल पाएगी। आधा कांग्रेस की सरकार छीन लेगी। यह लोग 55 प्रतिशत टैक्स पर फतवा लेकर आए हैं। क्या आप अपनी कमाई किसी कांग्रेस और राजद वालों को लूटने देंगे क्या? इसलिए बच्चों का भविष्य बनाने के लिए सात मई को झंझारपुर में जदयू प्रत्याशी रामप्रीत मंडल, 13 मई को दरभंगा में भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर, समस्तीपुर से लोजपा (रा.) की प्रत्यशी शांभवी चौधरी को वोट दीजिए। पूरे हिन्दुस्तान की सबसे छोटी उम्र की बेटी चुनाव लड़ रही है। आप सब आशीर्वाद दीजिए कि हमारी बेटी तो जीतनी ही चाहिए। 20 मई को मधुबनी में भाजपा के अशोक यादव को भारी संख्या में वोट दीजिए। आपका यह वोट मोदी के खाते में जाएगा।

लालू पर हमला, कहा जमानत पर घूम रहे लालू- पीएम मोदी ने कहा कि राजद का इतिहास तुष्टिकरण करने का रहा है। जब गोधरा में कार सेवकों को जिंदा जलाया गया था तब रेल मंत्री बिहार के शहजादे के पिता था। जो सजा काट रहे हैं और जमानत पर घूम रहे हैं। उन्होंने गोधरा कांड के दोषियों को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक जज एक कमेटी बनाई। सोनिया मैडम का राज था। इसलिए उन्होंने बेन राजी कमेटी बनाई। उस कमेटी ने ऐसा रिपोर्ट बनाया कि 60 लोगों को जिंदा जलाने वाले निर्दोष से छूट जाएं। लेकिन उस समय के रेल मंत्री की रिपोर्ट को अदालत ने कूड़े में फेंक दिया। पूरी दुनिया को पता था कि कार सेवकों को जिंदा जलाया गया था। फर्जी जांच रिपोर्ट बनाकर कार सेवको पर ही दोष मढ़कर आरोपियों को बचाने की साजिश रची गई। कोर्ट ने उस रिपोर्ट को गलत करार दिया। इसके बाद बार दोषियों को फांसी तक की सजा दी।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 12 दिन से मांग कर रहा है कि आप धर्म के आधार पर आरक्षण के साथ खिलवाड़ नहीं करेंगे। लेकिन, इनके पेट में पाप है यह लोग चुप बैठे हैं। जब तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी और ओबीसी के आरक्षण पर कभी भी खिलवाड़ नहीं करने दूंगा। जब मैंने कांग्रेस और राजद के इरादों को बेनकाब किया तब से यह लोग बौखला गए हैं।

राजद के लोग अब यह गिन रहे हैं सेना में कौन हिन्दू और कौन मुसलमान है। साथियों यह लोग देश की एकता को तोड़ना चाहते हैं। राजद के लोग सेना को अब हिन्दू और मुसलमान के नजरिए से देखते हैं। क्या अब्दुल हमीद को हमलोग इसलिए याद करते हैं कि वह लोग मुसलमान थे? यही लोग सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर सवाल उठाते हैं। यह लोग आर्मी चीफ को गाली देते हैं।

कोविशील्ड लगवाने वालों को अब डरने की जरूरत नहीं, केजीएमयू ने शोध पत्रों का अध्ययन कर जारी की रिपोर्ट

लखनऊ। केजीएमयू के न्यूरोलॉजी विभाग ने कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभाव को लेकर देशभर के शोध पत्रों का अध्ययन कर रिपोर्ट जारी की है। न्यूरोलॉजी इंडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक यह वैक्सीन लगवाने वालों को अब दो साल बाद ब्लड क्लाटिंग, दिल का दौरा पड़ने व न्यूरो से संबंधित बीमारियों की आशंका न के बराबर है। वैक्सीन लगने के दो हफ्ते के अंदर ही देशभर में करोड़ों लोगों में से महज 136 लोगों को कुछ परेशानी हुई थी। केजीएमयू न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. आरके गर्ग के निर्देशन में यह अध्ययन किया गया। डॉ. गर्ग ने बताया कि जून 2022 तक 1,97,34,08,500 कोविड वैक्सीन की डोज लगाई गई थीं। इनमें ज्यादातर लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगी थी। वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर प्रकाशित शोध पत्रों का विभाग के डॉ. हरदीप सिंह मल्होत्रा, डॉ. इमरान रिजवी और डॉ. बालेंद्र प्रताप सिंह आदि ने अध्ययन किया। डॉ. गर्ग ने बताया कि कुल 136 मरीजों में दिक्कतें सामने आई थीं। इसमें 10 मरीजों के दिमाग में खून का थक्का जमने की शिकायत मिली थी। हरपीज के सबसे ज्यादा 31 मामले मिले थे। मस्तिष्क व स्पाइन कॉर्ड में सूजन और फंक्शनल न्यूरोलॉजिकल डिसआर्डर के मामले भी थे।

सात तारीख का चुनाव भाजपा को सात समंदर दूर फेंक देगा : अखिलेश यादव

बदायूं। सपा के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को बदायूं जिले के नाधा में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे चरण में लोगों ने भाजपा को पलटा है। तीसरे चरण में लोग सफाया करने जा रहे हैं, क्योंकि इन्होंने हर वर्ग के साथ नकली बातें की हैं। दस साल का हिसाब-किताब देखेंगे तो इनकी हर बात झूठी निकलेगी, वायदे झूठे निकलेंगे। इसलिए सात तारीख का चुनाव, भाजपा को सात समंदर दूर फेंक देगा। अखिलेश यादव ने 20 मिनट के भाषण में भाजपा पर सियासी तीर चलाए।

उन्होंने कहा कि यही लोग हैं जो कह रहे थे कि किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। नौजवानों को रोजगार देंगे, लेकिन न आमदनी दोगुनी हुई और न ही रोजगार मिल सका। किसान, अपना हिसाब-किताब लगाता है तो लागत को देखकर चिंता करता है, लेकिन इस महंगाई में सरकार पैदावार का मूल्य नहीं दे पा रही है। सपा मुखिया ने कहा कि जो लोग कहते थे कि आय दोगुनी कर देंगे, वही लोग तीन काले कानून लाए थे। उनकी साजिश थी किसानों के जमीन पर कब्जा कर लें और पैदावार भी छीन लें, लेकिन किसान दिल्ली डट गए और सरकार को कानून वापस लेने पड़े लेकिन अभी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। अखिलेश ने कहा कि यह वही लोग हैं जो एमएसपी की गारंटी नहीं दे रहे हैं। सरकार बनने के बाद एमएसपी का कानूनी हक दिलाएंगे।

इन्होंने वादा किया था कि किसानों का कर्ज माफ होगा लेकिन उद्योगपतियों का कर्ज तो माफ कर दिया लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो सबका कर्ज माफ होगा। अखिलेश यादव ने कोविड वैक्सीन को लेकर भी भाजपा पर सियासी वार किए। कहा कि इस सरकार से सिर्फ संविधान को ही नहीं, हमारी आपकी जान को भी खतरा है। सपा के महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी, सपा प्रत्याशी आदित्य यादव आदि नेताओं ने भी जनसभा को संबोधित किया। चुनावी सभा में सपा के महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी के अलावा राज्यसभा के पूर्व सदस्य वीरपाल सिंह यादव, सहसवान के विधायक बृजेश यादव, शेखूपुरा के विधायक हिमांशु यादव, सपा नेता लक्ष्मण यादव, पूर्व विधायक हाजी बिट्टन, पूर्व मंत्री ओमकार सिंह यादव, जावेद आब्दी, आशीष यादव, सहसवान नगर पालिका के चेयरमैन बाबर मियां, पूर्व ब्लाक प्रमुख सतीश यादव, मांगेराम कश्यप, नवाब सिंह आदि मौजूद रहे।

मायावती का प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा सियासी वार, बोलीं- अपनी जेब से नहीं दिया गरीबों को फ्री में राशन

आगरा। मायावती ने कहा कि बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ रही है। जिनकी भागेदारी है, उन्हें टिकट दी हैं। हमारी पार्टी ने चुनाव में सर्वसमाज को टिकट में उचित भागेदारी दी है। खासकर दलित समाज को दिए हैं। किसी एक बिरादरी को नहीं, बल्कि रिजर्व सीट पर हर एक को दिया है। निकाय चुनाव में वाल्मीकि समाज को टिकट दिया था। हमने जाटव समाज को आगरा में, सिकरी से ब्राह्मण को टिकट दिया है।

गरीबों को दिए जा रहे राशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आपके टैक्स के रुपये से फ्री में थोड़ा सा राशन मिलता है। यह राशन, मोदी या भाजपा की की जेब से नहीं मिलता। इसलिए जब भाजपा और आरएसएस के लोग आएं और नमक का कर्ज याद दिलाएं तो आप उनके बहकावे में न आएं। मायावती ने कहा कि ये चुनाव फेयर हुआ और ईवीएम ठीक रही तो इनकी कोई गारंटी जुमलेबाजी काम नहीं आएगी। भाजपा ने अच्छे दिन का जो वादा किया, वह दिखते नहीं। इनका समय चहेते पूंजीपतियों, धन्ना सेठों के लिए लग रहा है। उनके आर्थिक सहयोग से ही संगठन चलता है। इलेक्ट्रोनिक बॉन्ड से पता चल गया है। किसान बीजेपी सरकार में दुखी हैं। यूपी में चार बार हम सीएम रहे, तब ध्यान रखते थे। किसान को सस्ते साधन दिए। फसल का उचित दाम दिया गया। योगी सरकार और केंद्र सरकार ने कांग्रेस की तरह जातिवादी, सम्प्रदाय वादी सोच से दलित, मुस्लिम, पिछड़ों को हक नहीं दिया। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि जब सपा सरकार थी, तब एससीएसटी के लिए प्रमोशन में आरक्षण को खत्म कर दिया था। हमारी पार्टी ने संसद में मुद्दा उठाया तो सपा ने विरोध किया। कांग्रेस और बीजेपी ने संसद में बिल फाड़ दिया। ये बिल पास नहीं होने दिया। आरक्षण को लेकर जो बातें कर रहे हैं, ये दोनों ही विरोधी हैं। दोनों ही आरक्षण प्राइवेट सेक्टर में नहीं ला रहे, क्योंकि इनके पूंजीवादी दोस्त हैं। अल्पसंख्यक की हालत खराब है। केंद्र और राज्य की बीजेपी और आरएसएस की सरकार में मुस्लिम पर हिंदुत्व की आड़ में दुर्व्यवहार हो रहा है।

तीर्थनगरी में वेश बदलकर छिपे हैं बांग्लादेशी एलआईयू और पुलिस की टीम छानबीन में जुटी

मथुरा। मथुरा के राधाकुंड गोवर्धन थाना क्षेत्र के राधाकुंड में साधु वेश में बांग्लादेशी छिपे होने का इनपुट खुफिया तंत्र को मिला है। गोवर्धन पुलिस और एलआईयू की टीम मामले की जांच में जुटी हैं। हालांकि बताया जा रहा है कि इस इलाके में बड़ी संख्या में बंगाल के लोग रहते हैं। वह आपसी रंजिश में झूठी शिकायत भी कर देते हैं। मगर, पुलिस अभी इस मामले को हल्के में न लेते हुए जांच में जुटी है। खुफिया तंत्र को सूचना मिली है कि राधाकुंड में निवास कर रहे एक बांग्लादेशी साधु वेश में यहां रहकर बांग्लादेश सीमा से अन्य बांग्लादेशियों को चोरी छिपे भारत की सीमा में प्रवेश कराता है। गौरतलब है कि बड़ी संख्या में बंगाली कस्बा राधाकुंड में निवास करते हैं। इन बंगालियों के संपर्क बांग्लादेशियों से है। यहां निवास कर रहे बंगालियों के साथ काफी बांग्लादेशी चोरी छिपे निवास कर रहे हैं। कई बांग्लादेशी राधाकुंड नगर पंचायत से कागजात बनवा कर रह रहे हैं। शिकायत करने वालों ने अंदेशा जताया है कि बांग्लादेशी कभी भी सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर सकते हैं। कई बार राधाकुंड से स्थानीय लोगों की सूचना पर गैर कानून निवास करते कई बांग्लादेशियों

समेत अन्य देशों के नागरिकों पर प्रशासन ने कार्रवाई की, बावजूद इसके बांग्लादेशी चोरी छिपे अब फिर से वेश बदल कर राधाकुंड में निवास कर रहे हैं। एसपी देहात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि इस उक्त इलाके में पुलिस व खुफिया तंत्र नियमित निगरानी रखता है। अगर, कोई पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में पटाखे फूटने का वीडियो वायरल, जांच में सामने आया सच

गोंडा। बहुचर्चित कैसरगंज संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के काफिले में पटाखे का वीडियो सामने आया है। वीडियो करणभूषण सिंह की फेसबुक वॉल पर रील के रूप में भी वायरल किया गया। काफिला शनिवार को कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत नवाबगंज, तरबगंज होते हुए बेलसर (रगड़गंज) बाजार पहुंचा। जगह-जगह स्वागत समारोह का कार्यक्रम जारी था। इसी बीच रगड़गंज बाजार में सिलसिलेवार फायरिंग सरीखे पटाखे दागे गये। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिये हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस क्षेत्राधिकारी तरबगंज से प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें हथियार से फायरिंग न करके पटाखों की बात सामने आई है। भीड़-भाड़ में पटाखे फोड़ना भी आचार संहिता के उल्लंघन का मामला है। वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है। पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। फ्लाइंग स्क्वायड टीम (एफएसटी) और पुलिस के उच्चाधिकारियों की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने जानकारी दी है कि हवाई पटाखे फोड़े गये हैं। पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। उन्होंने कहा कि हर्ष फायरिंग जैसी कोई बात नहीं है, केवल पटाखे फोड़े गये हैं। करण भूषण, सांसद बृजभूषण सिंह के छोटे बेटे हैं। शुक्रवार को उन्होंने दलबल के साथ नामांकन किया था। शनिवार को विश्नोहरपुर से सुबह काफिला निकला और जगह-जगह स्वागत का कार्यक्रम चल रहा है। इसी बीच वायरल वीडियो सामने आया। इतना ही नहीं पार्टी प्रत्याशी के फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया पर बाकायदा इसका वीडियो भी जारी किया गया। नवाबगंज पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिंह वीडियो बनाने वाले समर्थक को रोकते नजर आ रहे हैं।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने राहुल गांधी को बताया 'साहब', भाजपा बिफरी, कहा- इनकी भाषा एक जैसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने बीते दिनों राहुल गांधी की तारीफ में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। जिस पर भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला था और आरोप लगाया कि क्या कांग्रेस, पाकिस्तान से चुनाव लड़ने की योजना बना रही है? अब एक बार फिर पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने राहुल गांधी के समर्थन में ट्वीट किया है और अपने ट्वीट में राहुल गांधी के लिए 'राहुल साहब' लिखा है। भाजपा ने फिर कांग्रेस को घेरा है। भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने हाल ही में जो कहा, वही यहां विपक्ष कह रहा है कि भाजपा को भारत की सत्ता में नहीं आना चाहिए, प्रधानमंत्री को हारना चाहिए...। मैं सभी से अपील करता हूं कि जाएं और फवाद चौधरी के ट्वीट और भारत में विपक्ष जो कह रहा है, उसकी तुलना करें। आज एक नए ट्वीट में फवाद चौधरी ने परिवार (गांधी परिवार) के प्रति प्यार जताया है और राहुल गांधी के लिए राहुल साहब शब्द का इस्तेमाल किया है। अब तक कांग्रेस पार्टी ने इससे इनकार नहीं किया है।' पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने शनिवार को साझा किए अपने एक पोस्ट में लिखा कि 'राहुल गांधी में अपने परदादा जवाहरलाल नेहरू की

तरह एक समाजवादी है। बंटवारे के 75 साल बाद भी भारत और पाकिस्तान की समस्या एक जैसी है।' फवाद चौधरी ने आगे लिखा कि 'राहुल साहब ने अपने पिछले भाषण में बताया कि 30-50 परिवारों के पास भारत की कुल संपत्ति का 70 प्रतिशत है। ऐसा ही पाकिस्तान में भी है, जहां पाकिस्तान बिजनेस काउंसिल और रियल एस्टेट कारोबारियों के पास ही पाकिस्तान की 75 फीसदी संपत्ति है।

बाइडन के भारत को 'जेनोफोबिक' कहने पर जयशंकर की दो टूक, बोले- मेहमाननवाजी के लिए जाना जाता है देश

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में भारत को जेनोफोबिक (विदेशियों के प्रति अत्यधिक नापसंदगी या डर रखने वाला) बताया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय विदेश मंत्री ने बाइडन की टिप्पणी को खारिज कर दिया। जयशंकर ने बताया कि भारत विभिन्न समाज के लोगों का स्वागत करता है। यह देश मेहमाननवाजी के लिए जाना जाता है। एक साक्षात्कार में जयशंकर ने इस आरोप का भी खंडन किया कि भारत की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किया गया नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) यह दशार्ता है कि भारत हर समाज के लोगों का स्वागत करता है। दो अप्रैल को जो बाइडन ने कहा था कि भारत, चीन, रूस और जापान की जेनोफोबिक प्रकृति ही उनकी आर्थिक परेशानियों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि वह अपनी धरती पर अप्रवासियों का स्वागत करता है। बाइडन ने यह बयान राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के लिए वॉशिंगटन में फंड रेजिंग कार्यक्रम के दौरान दिया था।

बाइडन ने कहा कि रूस और चीन के साथ जापान की भी अर्थव्यवस्था मजबूत हो सकती है, अगर ये भी अपनी धरती पर अप्रवासियों का स्वागत करने लगें। बाइडन के इस बयान पर केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पलटवार किया। उन्होंने बताया कि देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा नहीं रही है। जयशंकर ने आगे कहा, "भारत हमेशा से एक अनोखा देश रहा है। मैं वास्तव में कहना चाहता हूं कि यह एक ऐसा देश रहा है, जिसने सभी का स्वागत किया है। विभिन्न समाज के विभिन्न लोग भारत में आते हैं। जयशंकर ने बताया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) इसका उदाहरण है।"

सीएए को लेकर जारी आलोचनाओं पर जयशंकर ने कहा, "सार्वजनिक तौर पर कई लोगों का कहना है कि सीएए के कारण दस लाख मुसलमान इस देश में अपनी नागरिकता खो देंगे।" उन्होंने आगे कहा, "उनसे हिसाब क्यों नहीं लिया जा रहा है? क्योंकि कोई भी नागरिकता नहीं खोने वाला है।" बाइडन के जेनोफोबिक वाले बयान पर व्हाइट हाउस ने प्रतिक्रिया दी थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन इस बारे में टिप्पणी कर रहे थे कि आप्रवासियों का देश में होना कितना जरूरी है और यह हमारे देश को कैसे मजबूत बनाते हैं। वह इस बारे में इसलिए बात कर रहे थे क्योंकि यह हमारे सहयोगियों के साथ हमारे संबंधों से जुड़ा है। हमारे निश्चित तौर पर जापान और भारत के साथ मजबूत संबंध हैं। राष्ट्रपति ने बीते तीन वर्षों में इन देशों के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करने पर फोकस किया है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी में जारी इस्राइल विरोधी प्रदर्शन पर भी जयशंकर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसके लिए पश्चिमी मीडिया की आलोचना की। उन्होंने कहा, "यहां एक विचारधारा से प्रेरित होकर रिपोर्टिंग की जा रही है, जो कि निष्पक्ष नहीं है।"

जंगलों में भड़कती आग की घटनाओं के बीच सीएम ने की अहम बैठक

देहरादून। वनाग्नि की बढ़ती घटनाओं के बीच सीएम धामी ने अहम बैठक की। मुख्यमंत्री दिल्ली से ही वीसी पर जुडे। उन्होंने वन विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा की। देहरादून सचिवालय में शासन के आला अधिकारी इस बैठक में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उत्तराखंड में शुक्रवार को जंगलों की आग और भड़क गई। 24 घंटे के भीतर वनाग्नि की 64 घटनाएं सामने आई हैं। वहीं, सोमेश्वर के स्यूनराकोट के जंगल में लगी आग दो नेपाली परिवारों पर भारी पड़ी है। जंगल की आग की चपेट में आने से एक श्रमिक की बृहस्पतिवार को मौके पर ही मौत हो गई थी। दूसरे श्रमिक ने बृहस्पतिवार देर रात बेस अस्पताल में तो महिला श्रमिक ने हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में दम तोड़ दिया है। एक और महिला श्रमिक का हल्द्वानी में इलाज चल रहा है। जिसके बाद आज शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वनाग्नि रोकथाम को लेकर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। शुक्रवार को प्रदेश में सामने आई वनाग्नि की 64 घटनाओं में गढ़वाल में 30, कुमाऊं में 29 और वन्यजीव क्षेत्रों में पांच घटनाएं शामिल हैं। 24 घंटे के भीतर 74.67 हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आया।

संपादकीय

चुनाव जिता दे जो, वो हुनर कहां से लाऊं

चुनाव जीतने के लिए भी जी, तरह-तरह के हुनर चाहिए। एक नेतागिरी के हुनर से काम नहीं चलता। वैसे नेतागिरी का हुनर क्या है? यह भी अपने आपमें एक बड़ा सवाल है। नेतागिरी का हुनर कई तरह के हुनरों का समूह होता है। हुनरों का एक गुच्छ होता है। गुलदस्ता होता है। जैसे एक हुनर होता है जिसे गिरगिटी हुनर कह सकते हैं अर्थात? मौका मुकाम के मुताबिक रंग बदलने का हुनर। रंग बदलने का अर्थ यहां पार्टी बदलना ही होता है। काले से गोरा होना नहीं होता। उसके लिए तो दस-पांच रुपये की क्रीम ही काफी है। एक हुनर होता है अभिनय का हुनर। कई नेता इस हुनर में इतने पारंगत होते हैं कि दिग्गज अभिनेता भी उनके सामने पानी भरें। वो बिल्कुल वो वाले होते हैं- तेरे लिए मैं रो सकता हूं, गा सकता हूं, पीड़ित होने का ऐसा ड्रामा कर सकता हूं कि ट्रैजिडी किंग भी मेरे सामने पानी भरे। इतना फनी हो सकता हूं कि कॉमेडियन भी फीका पड़ जाए। फिर एक हुनर झूठ बोलने का होता है। नेतागिरी के लिए आदमी को झूठ बोलने में पारंगत होना चाहिए। झूठ को झूठ मानते हुए यूं सच की तरह बोलना कि सुनने वाले को लगे कि भैया है तो एकदम ही झूठ, लेकिन देखो कितना सच जैसा है। ऐसा तो सच भी नहीं हो सकता, जितना यह झूठ सच है। लेकिन नेतागिरी के लिए सिर्फ नेतागिरी का हुनर ही काफी नहीं है। इसके लिए कई दूसरे हुनर भी आने चाहिए। एक पार्टी ने टिकट बंटवारे के लिए इसी तरह की हुनरमंदी की परीक्षा ली। इसके कुछ विजेताओं से आप भी परिचित हो लीजिए। यह हैं गुजरे जमाने की एक बेहद खूबसूरत फिल्मी हीरोइन। उन्हें चैलेंज दिया गया था कि आपको खेतों में जाकर गेहूं की पकी खड़ी फसल काटनी है। उन्होंने पार्टी हाईकमान को अपने हुनर का कायल ऐसे फोटो दिखाकर किया- यह देखिए सर मेरे हाथ में यह दरांती है। मुझे पार्टी कार्यकताओं ने बताया था कि फसल इसी से कटती है। यह देखिए मैं इसी से फसल काट रही हूं। यहां मैंने गेहूं के पौधों को पकड़ रखा है और दरांती चला रही हूं देखिए। और यह देखिए यह कटा हुआ गेहूं मेरे हाथ में है और यहां मैं पूलियां बना रही हूं। पार्टी हाईकमान ने उन्हें एकदम योग्य उम्मीदवार मानते हुए टिकट थमा दिया। इसी तरह से देश के एक बड़े करोड़पति सेठ को पल्लेदारी करने का टास्क दिया गया। पहले तो सेठजी हंसे कि यह क्या मजाक है, लेकिन फिर उन्होंने चैलेंज स्वीकार कर लिया। नयी-नयी पार्टी बदली थी और टिकट जरूर चाहिए था। सो अनाज मंडी में पहुंचे और अनाज का बोरा ऐसे उठा लिया, जैसे कोई जिम्मेदारी उठा रहे हों। हाईकमान खुश हुआ और उन्हें चुनाव का टिकट दे दिया।

सिर्फ शर्मनाक

एक समय था कि जब लोग देश के नेताओं के सार्वजनिक जीवन में आचरण का अनुसरण करते थे। नेताओं को भी समाज में अपनी छवि व प्रतिष्ठा की फिक्र रहती थी। वे कहे को जीते भी थे। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीति में कई क्षत्रप परिवारों के ऐसा नेता भी सामने आए हैं जिन्होंने सत्तामद में चूर होकर तमाम नैतिकताओं व मयार्दाओं को ताक पर रखा। पिछले दिनों कर्नाटक में हासन सीट से जनता दल (सेक्यूलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं के साथ दुराचार के जो गंभीर आरोप लगे, उसने राजनीति में पतन की पराकाष्ठा को दशार्या है। आरोपी सांसद का दुस्साहस देखिए कि वह मतदान के दिन तक चुनाव क्षेत्र में रहा और फिर जर्मनी भाग गया। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पौत्र और पूर्वमंत्री एचडी रेवन्ना के पुत्र प्रज्वल के यौन उत्पीड़न व दुराचार दशार्ते करीब तीन हजार वीडियो सार्वजनिक हुए। चुनाव प्रचार के दौरान वीडियो पेन ड्राइव के जरिये बांटे जाते रहे। निस्संदेह इस मामले के खुलासे की टाइमिंग के राजनीतिक निहितार्थ हैं। वहीं भाजपा के एक नेता ने एक साल पहले भाजपा नेतृत्व को पत्र लिखकर चेताया था कि प्रज्वल के कुकृत्यों की पेन ड्राइव कांग्रेस के पास पहुंच चुकी है। जिसका उपयोग लोकसभा चुनाव में हथियार के रूप में किया जाएगा। सवाल भाजपा नेतृत्व पर भी है कि हकीकत से वाकिफ होने के बावजूद क्यों प्रज्वल रेवन्ना को गठबंधन के सहयोगी कोटे से टिकट दिया गया? जब राज्य में कांग्रेस की सरकार है तो एक साल पहले जानकारी होने के बावजूद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? दरअसल, एक समुदाय विशेष में एचडी देवगौड़ा परिवार की पकड़ होने की वजह से भाजपा व कांग्रेस कड़ी कार्रवाई से बचते रहे हैं। बहरहाल, इस सेक्स स्कैंडल के उजागर होने और उसके बाद तमाम सफाई के बावजूद जनता दल सेक्यूलर और उसकी सहयोगी भाजपा को राहत मिलना मुश्किल है। वजह है कि आरोप गंभीर और महिलाओं की अस्मिता से जुड़े हैं। निश्चित रूप से कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार के सदस्य व सांसद ने जो कुकृत्य किये हैं, उससे भारतीय लोकतंत्र शर्मसार हुआ है। विडंबना देखिये कि जो बड़े राजनेता महिलाओं की प्रशंसा में कसीदे पढ़ने से नहीं थकते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में दुराचार की पराकाष्ठा देखकर भी आंखों पर पट्टी बांध लेते हैं। वे इस शर्मनाक कांड की व्याख्या अपनी सुविधा के अनुसार कर रहे हैं। एक पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार का सांसद अपने घर में काम करने वाली महिलाओं तक को न बख्शे, इससे ज्यादा शर्मनाक क्या हो सकता है। आरोप है कि प्रज्वल रेवन्ना ने किसी भी आयु और वर्ग की महिला को नहीं बख्शा। इतना ही नहीं, सरकारी महिला अधिकारियों, कर्मचारियों व पार्टी कार्यकताओं तक को हवस का शिकार बनाकर वीडियो बनाने तक के गंभीर आरोप प्रज्वल पर लगे। वीडियो इसलिये बनाये ताकि शोषण के बाद लोकलाज के भय से उन्हें चुप रखा जा सके। आरोपों के निशाने पर पूर्व मंत्री व प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना भी हैं। हालांकि, प्रज्वल का आरोप है कि एआई के जरिये उसके फोटों से छेड़छाड़ करके वीडियो बनाए गए हैं। लेकिन यदि वह निर्दोष है तो फिर उसे चुपके से जर्मनी भागने की क्या जरूरत पड़ी? बिना सरकारों की मिलीभगत के क्या वह जर्मनी भाग सकता था? क्या यह जन विश्वास सही है कि घोर विरोधी राजनीतिक दल व्यावहारिक जीवन में एक दूसरे के बड़े नेताओं को बचाने के लिये कवच का काम करते हैं? सवाल स्वाभाविक है कि जनता दल (एस) ने अश्लील वीडियो मामले में प्रज्वल को पार्टी से निलंबित करने में इतनी देर क्यों की? निस्संदेह, ऐसे यौन कुंठित जनप्रतिनिधि का चुना जाना लोकतंत्र के दामन पर एक दाग सरीखा है। प्रज्वल के जैसे विकृतिपूर्ण वीडियो सार्वजनिक हुए हैं उसे देखते हुए तत्काल उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की जरूरत है। बहरहाल, अब कर्नाटक सरकार द्वारा मामले में एसआईटी के गठन और प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बाद उम्मीद जगी है कि दोषी को दंडित करके पीड़िताओं को न्याय मिल सकेगा।

7 राज्यों में 25 रैलियां, हिंदुत्व की धार, योगी का धुंआधार प्रचार

मृत्युंजय दीक्षित

लोकसभा चुनाव के दो चरण का मतदान पूरा हो चुका है और उनकी रिपोर्ट के आधार पर सभी राजनैतिक दलों ने अगले चरण के मतदान के लिए अपनी सारी ताकत झोंक दी है। वर्तमान राजनैतिक परिदृष्य में सभी दलों के स्टार प्रचारक अपनी विचारधारा के प्रचार में जुटे हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सबसे अधिक स्टार प्रचारक भारतीय जनता पार्टी के पास हैं जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं, ह्लअबकी बार 400 पार के नारेह्व के साथ संपूर्ण भारत में आक्रामक प्रचार में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बाद जो स्टार प्रचारक सबसे अधिक चर्चा में है वह हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल उत्तर प्रदेश में ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं अपितु दूसरे राज्यों में भी उसी तरह प्रचार कर रहे हैं। अब तक 24 दिनों में वो सात राज्यो में 25 रैलियां व दो रोड शो कर चुके हैं। योगी जी की मांग सबसे अधिक उन सीटों व क्षेत्रों में है जहां राजपूत व क्षत्रिय मतदाता अधिक हैं तथा जहां ध्रुवीकरण की संभावना अधिक है वह उन स्थानों पर भी रैलियां कर रहे हे जो हिंसा से प्रभावित रहे हैं। दूसरे राज्यों में योगी जी की लोकप्रियता बुलडोजर बाबा के रूप में भी हो रही है।

योगी जी अब तक पश्चिम बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ जम्मू-कश्मीर और बिहार में रैलियां कर चुके हैं। बंगाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार रैलियां की हैं जो मुस्लिम बहुल और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में हुई है। योगी जी ने आसनसोल ल में भी रैली की जहां भाजपा दो बार जीत चुकी है। बंगाल एक ऐसा राज्य है जहां के कटटरपंथी मौलाना मुख्यमंत्री योगी जी को देख लेने की धमकी तक दे चुके हैं किंतु वह बंगाल जाकर और अधिक आक्रामक होकर हिंदुत्व का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। वह अपनी जनसभा में बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की याद दिलाते हुए कहते है कि ह्लअगर कोई यूपी में रामनवमी के अवसर पर दंगा करता है तो उसे उल्टा लटकाकर ठीक कर दिया जाता हैह्व। उन्होंने बंगाल में योगी जी ने साफ सन्देश दिया कि मोदी जी की तीसरी बार सरकार आने पर रामनवमी और वैशाखी के दंगाइयों और सन्देशखाली के जिम्मेदार गुंडो को सजा दिलाने का काम करेंगे। छत्तीसगढ़ में योगी जी ने तीन रैलियां की हैं जिसमें दो सीटें कांग्रेस व एक भाजपा की रही है। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में योगी जी का 21 बुलडोजर से बेहद भव्य स्वागत किया गया था जो बहुत चर्चित रहा था। यहां पर उन्होंने लव जिहाद व नक्सलवाद के साथ कांग्रेस के आंतरिक समझौते का मुद्दा मुखरता के साथ उठाया। मुख्यमंत्री योगी ने उत्तराखंड की 5 लोकसभा सीटों के लिए 4 रैलियां की और उसमें उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हो या उत्तराखंड या देश को कोई भी कोना जो कानून नहीं मानेगा उसका राम नाम सत्य ही होगा। कुछ लोगों को लगता था कि अपराध करेंगे तो जेल चले जाएंगे लेकिन जेल जाने से पहले ही हम जहन्नुम में पहुंचा देते हैं। राजस्थान में भी उन्होंने चार रैलियां व 2 रोड शो किये जिनमें भारी भीड़ आयी। राजस्थान में उन्होंने देश की सुरक्षा का मुददा जोर शोर से उठाया और कहा कि कांग्रेस देश की

सुरक्षा व आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। योगी का कहना है कि आज देश में कहीं पर पटाखा भी फटता है तो सबसे पहले पाकिस्तान सफाई देता है कि हमारा उसमें कोई हाथ नहीं है क्योंकि उसे पता है कि उसका क्या परिणाम होगा क्योकि यह बदला हुआ भारत है। राजस्थान में योगी ने राजपूत ,जाट व मीणा समाज के बाहुल्य क्षेत्रों तथा जहां पर हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण भी आसानी से हो जाता है वहां पर रैलियां कर समां बांधा है। इसी प्रकार महाराष्ट्र में भी वह 6 रैलियां कर चुके हैं। अभी तक बिहार में केवल दो रैलियां ही हो पाई है किंतु वहां पर अभी उनकी और रैलियां प्रस्तावित हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 400 पार के नारे के साथ अबकी बार यूपी में 80 की 80 सीटों पर कमल खिलाने के संकल्पवान हैं और वह इसके लिए काफी कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं अब उस मेहनत का उन्हें कितना प्रतिफल मिलता है यह तो 4 जून 2024 की मतगणना के दिन ही तय हो सकेगा। यूपी में भी योगी 75 से अधिक रैलियां व रोड षो कर चुके है।

उत्तर प्रदेश की रैलियों में योगी जी आक्रामकता के साथ सपा, बसपा व कांग्रेस पर हमलावर हो रहे है। वह कांग्रेस को उसके घोषणापत्र के छिपे हुए हिंदू विरोधी एजेंडे के आधार पर बेनकाब कर रहे हैं। योगी जी स्पष्ट रूप से हमला करते हुए कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस व इंडी गठबंधन के लोग सत्ता में वापस आये तो यह लोग देश में शरिया लागू कर देंगे और हमारे गोवंश को कसाइयो के हाथों में दे देंगे। योगी जी अपनी हर जनसभा में जनता को याद दिला रहे हैं कि कांग्रेस के कारण ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण लटका रहा। कांग्रेस ने ही भगवान राम को कोर्ट में काल्पनिक बताया था। संपत्ति के विभाजन, मंगल सूत्र और विरासत टैक्स का मुद्दा भी वे अपनी रैलियों में उठा रहे हैं। योगी जी बेटियों की सुरक्षा व कानून व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं करने वाले हैं और वह बार-बार कहते हैं कि अगर कोई बहिन-बेटियो की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करेगा तो उसका राम नाम सत्य ही होगा। योगी जी कह रहे हैं कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का काम हो गया अब मथुरा की गलियां भी श्रीकृष्ण की बांसुरी सुनने के लिए बैचेन हो रही हैं। अब वह काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। योगी जी का कहना है कि कांग्रेस पहले तो केवल दिशाहीन थी किंतु अब तो नेतृत्वविहीन भी हो चुकी है। योगी जी कहते हैं कि कांग्रेस को वोट देने से कोई बड़ा पाप नहीं हो सकता।

दूसरे राज्यों में जाने पर योगी जी का भव्य स्वागत किया जाता है। इसमें कोई दो राय नही कि उत्तर प्रदेश में अयोध्या में दिव्य, भव्य एवं नव्य राम मंदिर बन जाने के बाद उनकी लोकपियता में भारी वृद्धि हुई है तथा उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन का व्यापक विस्तार व विकास हो रहा है। अभी लखनऊ में आयोजित आईपीएल टूनार्मेट के मुकाबले के लिए पधारे क्रिकेट खिलाड़ी पीटरसन से लखनऊ एयरपोर्ट की तारीफ करते हुए योगी जी की प्रशंसा की और उसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश में अविश्वसनीय विकास व अच्छा काम हो रहा है। योगी जी के नेतृत्व में कानून का राज है, अपराधियों का मनोबल गिरा हुआ है और विकास के लिए निवेश का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

ब्रिमैटो: एक ही पौधा में टमाटर और बैंगन का उत्पादन

इसी प्रकार वर्ष 2020 में संस्थान ने ग्राफ्टिंग तकनीक द्वारा देश में पहली बार एक विशिष्ट पौध तैयार किया, जिसमें एक ही कुल के पौधे पर दो अलग-अलग सब्जियों की ग्राफ्टिंग की गयी। इसमें बैंगन की रोग अवरोधी मूलवृन्त आई.सी. 111056 पर बैंगन की संकर किस्म काशी संदेश एवं टमाटर की काशी अमन की कलम बांधी (ग्राफ्टिंग) गयी। इस तरह के पौध तैयार करने में बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है। दरअसल, सब्जियों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए ग्राफ्टिंग विधि का प्रचलन बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा हैं। बैंगन को मूलवृंत के रूप में प्रयोग करने का उद्देश्य टमाटर एवं बैंगन को जलभराव, लवाणीय मृदा एवं मिट्टी जनित बीमारियों के प्रकोप से बचाना है, क्योंकि मूलवृंत के लिए प्रयोग की गयी बैंगन की प्रजाति इन व्याधियों के प्रति सहनशील है। इसमें मूलवृन्त के शीर्ष पर जीह्वा आकार का 45 डिग्री पर तिरछा कट बनाया जाता है, और उसी मूलवृंत में पहले पत्ती के पास में "V" आकार का चिरा बनाया जाता हैं। इसी से परस्पर मेल करता हुआ निशान बैंगन और टमाटर वाला सायन पर भी बनाया जाता है। मूलवृन्त एवं सायन में कटाव की लम्बाई कम से कम 0.5 सेमी. रखना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा ऊतक एक दूसरे से मेल कर सकें, उपरोक्त विधि की तरह सायन को मूलवृन्त से चिपकाते हुए क्लिप लगा दिया जाता है, उसके बाद ग्राफ्ट संयोजन का पूजना (हीलिंग) के लिए हीलिंग चैम्बर में 5-7 दिनों तक रखते हैं, और ग्राफ्ट संयोजन सफल हो सके। ग्राफ्टिंग के 10-15 दिन बाद ब्रिमैटो को खेत में या गमलों में रोपा जा सकता है।

दोहरा तने वाले ग्राफ्टेड पौधें में उचित उर्वरक यथा नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की मात्रा 150:60:100 किग्रा./हे. रखते हैं। इसके अलावा 20-25 टन गोबर या कम्पोस्ट की खाद का प्रयोग करते है। जब पौधा 60-70 दिनों का हो जाता है तो फलत आना शुरू हो जाता है। दोहरे ग्राफ्टेड एक पौधों से लगभग 3.0-3.5 किग्रा. बैंगन और 2.0-2.5 किग्रा. टमाटर की पैदावार प्राप्त होती है। दोहरे सायन वाले ग्राफ्टेड पौधों को शहरी एवं उप-शहरीय क्षेत्रों में जहाँ जगह की कमी होती है और सब्जियाँ अधिकांशतः गमलों में या विशिष्ट पात्रों में घर की बालकनी या छत पर उगाये जाते हैं, वहाँ यह लगाने के लिए उपयुक्त होता है। इसे शोभाकारी अलंकृत पौधों की भाँति घर के अन्दर गमलों में कुछ-कुछ अन्तराल पर रखा जा सकता है। पर्याप्त प्रशिक्षण के बाद व्यवसायिक पौधशाला से जुड़े उद्यमी भी इस तरह के विशिष्ट ग्राफ्टिंग पौध तैयार करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

रोपाई के लिए तैयार ग्राफ्टेड पौधा | क्षेत्र पर लगे ब्रिमैटो का फलदार पौधा

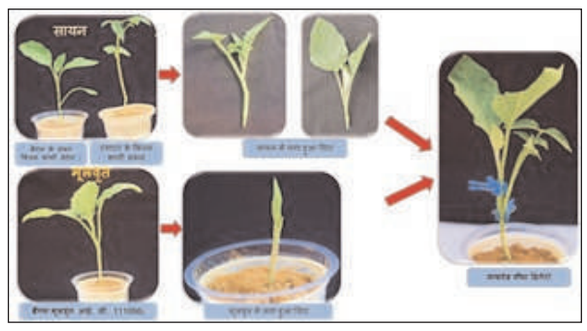

ब्रिमैटो का उत्पादन एक नजर में (एक हेक्टेयर क्षेत्र में)

मूलवृंत आई. सी. 111056

सायन

I. काशी संदेश (संकर किस्म)

II. काशी अमन (सीमित बढ़वार वाली किस्म)

ग्राफ्टिंग का तरीका

साइड या क्लेफ्ट

प्रक्षेत्र पर लगाने का समय

मध्य सितंबर से मध्य अक्टूबर

पौधे से पौधे के दूरी

90 . 60 सेमी. (कुल पौध-19000)

खाद एवं उर्वरक

गोबर की खाद 20 टन, एन.पी.के.-150:80:100 किग्रा. प्रति हेक्टेयर

निराई एवं गुड़ाई

पौधा लगाने के बाद दो बार (पहला 30-45 दिनों बाद और दूसरा 60-70 दिनों बाद)

सिंचाई 10-12 दिनों के अंतराल पर

मुख्य कीट एवं रोग

सफेद मक्खी, जैसिड, फल एवं तना छेदक, लिटिल लीफ, फोमोप्सिस, कालर राट इत्यादि

फल के तुड़ाई

प्रक्षेत्र पर लगाने के 70 दिनों बाद 5-6 बार तुड़ाई

विपणन हेतु उपज

बैंगन-35.7 टन

टमाटर-37.3 टन

आर्थिकी

कुल उपजाऊ मूल्य- 3.38 लाख

सकल आय -9.83 लाख

शुद्ध आय -6.44 लाख

लाभ लागत अनुपात -1.91

अनीष कुमार सिंह एवं अनंत बहादुर (भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश)

ई-मेलः anish842395@gmail.com

भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

ललित गर्ग

कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मयार्दाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों

को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रूडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का ठंडा रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रूडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है।

ट्रूडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रूडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया। जबकि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव और आपसी भरोसा रहना जरूरी है।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठे थे। लेकिन अमेरिका ने इस मसले पर सार्वजनिक बयानबाजी करने के बजाय भारत सरकार से सीधी बातचीत की। भारत ने भी अमेरिकी सरकार की ओर से मुहैया कराए गए सबूतों को गंभीरता से लिया। इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच शुरू हुई। अच्छी बात यह भी है कि इस मामले को दोनों देशों के संबंधों के खटास का माध्यम नहीं बनने दिया। जांच के निष्कर्षों को दोनों देशों ने स्वीकार किया एवं बेवजह का विवाद खड़ा नहीं होने दिया। कनाडा को भी अमेरिका से कुछ सीखना चाहिए एवं निज्जर हत्याकांड में भारत की अगर कोई भूमिका है तो उसके सबूत भारत सरकार को देने चाहिए। कोरे आरोप लगाकर आपसी संबंधों को बिगाड़ने से परहेज करना चाहिए। अपनी भूमि का उपयोग भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा करती गतिविधियों के लिये कत्तई नहीं करने देना चाहिए। बात कनाड़ा के साथ-साथ अन्य देशों पर भी लागू होती है जो अपने राजनीतिक हितों के लिये खालिस्तान समर्थक या अन्य भारत विरोधी आन्दोलनों को जगह देते हैं, लेकिन इन देशों ने भी समझा है और समझना ही होगा कि किसी देश के अन्दरूनी मामलों में दखलअंदाजी करना उनके लिये ही हानिकारक होने वाला है। भारत अब एक महाशक्ति है, कनाड़ा जैसे देशों की भारत-विरोधी गतिविधियों से भारत की सेहत पर कोई असर नहीं पडेगा।

डीएम ने बाबा कीनाराम राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षण स्थल परिसर का किया निरीक्षण

चंदौली। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल संपन्न कराने हेतु मतदान कार्मिकों के प्रथम प्रशिक्षण के प्रथम दिन आज बाबा कीनाराम राजकीय मेडिकल कॉलेज नौबतपुर में कुल 1941 मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी. फुंडे द्वारा बाबा कीनाराम राजकीय मेडिकल कॉलेज में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु चल रहे प्रशिक्षण सत्र का स्थलीय निरीक्षण करते हुए प्रशिक्षण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त/ राजस्व एवं अपर जिलाधिकारी न्यायिक मौजूद रहे। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी ने ने बताया कि जितने भी मतदान कार्मिक थे उनकी ड्यूटी लगाकर सबको ऑर्डर दे दिया गया है।इस बार ट्रेनिंग बाबा कीनाराम राजकीय मेडिकल कॉलेज में कराई जा रही है।प्रत्येक पाली में 975 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाना है।प्रशिक्षण की सभी तैयारियां पूर्ण है कुछ लोग देर से आए उनका भी प्रशिक्षण कराया जाएगा और जो लोग अनुपस्थित हैं उनको एक मौका दिया जाएगा।वे सभी कल दिनांक 4 में 2024 को उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर लें यदि आगे भी लोग अनुपस्थित पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी/ प्रभारी अधिकारी कार्मिक एस. एन. श्रीवास्तव ने प्रथम पाली में अनुपस्थित राम सिंह (राजकीय आयुष विभाग, भरपुरवा), राजेश कुमार (बड़ौदा यूपी बैंक हिंगुतरगढ़), हरिहर पात्र (बड़ौदा यूपी बैंक नौबतपुर), एवं द्वितीय पाली में जितेंद्र कुमार (जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग), कमलेश राम (शिक्षा विभाग), अमरेश कुमार (पशुपालन विभाग), अरशद जावेद (मदरसा चकिया), अंकुर प्रताप सिंह (भूमि संरक्षण विभाग), ओंकार नाथ शुक्ला (वन विभाग) उक्त सभी कार्मिकों के अनुपस्थित रहने पर सभी को चेतावनी देते हुए कहा गया है कि अगर अनुपस्थित कर्मचारी कल दिनांक 04.05.2024 को उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त नहीं करते हैं तो अनुपस्थित कर्मचारियों के विरुद्ध निर्वाचन आयोग की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्यवाही की जाएग।

बीएचयू बवाल मामले में तीन छात्रों को मिली अग्रिम जमानत

वाराणसी। सड़क हादसे में बीएचयू छात्र के मृत होने की अफवाह पर चीफ प्रॉक्टर कार्यालय व कुलपति आवास में घुसकर तोड़फोड़ करने व गाली-गलौज करते हुए सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट करने के मामले में आरोपित तीन छात्रों को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) अनिल कुमार पंचम की अदालत ने आरोपित छात्र घरिहा (गाजीपुर) निवासी अंकित पाल, रोहतास (बिहार) निवासी क्षितिज कुमार व अहरक (बडागांव) निवासी दर्शित पाण्डेय को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने की दशा में 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में आरोपित छात्रों की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, चंद्रबली पटेल व रोहित यादव ने पक्ष रखा` अभियोजन पक्ष के अनुसार बीएचयू चीफ प्रॉक्टर कार्यालय के सहायक सुरक्षा अधिकारी राकेश गुप्ता ने 18 फरवरी 2024 को लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी` आरोप था कि 17 फरवरी 2024 को ब्रोचा छात्रावास के पास सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी थी इस बीच यह अफवाह फैलने पर की मृतक बीएचयू का छात्र है को लेकर बीएचयू के छात्र शुभम शुक्ला, संजय गांधी, अनुज राम, अंकित राय, दुर्गेश यादव के नेतृत्व में करीब 200 से की संख्या में छात्र अपने हाथों में लाठी-डंडा, सरिया व ईंट-पत्थर लेकर चीफ प्राक्टर कार्यालय में घुस गये और वहां तोड़फोड़ करते हुए सुरक्षाकर्मियों के साथ गाली- गलौज व मारपीट करने लगे।

चीफ प्रॉक्टर प्रो.शत्रुधन त्रिपाठी, डा. राजेश कुमार सिंह, डॉ. अमरेश प्रताप सिंह ने उग्र छात्रों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वे गाली-गलौज व धमकी देते हुये कुलपति आवास में अनाधिकृत रूप से घुस गये और वहां खड़ी सरकारी इनोवा गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दिया साथ ही ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा सुपरवाइजर सच्चिदानंद राय, रमाशंकर सिंह, अशोक शर्मा समेत अन्य गार्डों से मारपीट करते हुये वादी को भी लाठी-डंडे व पत्थर से मारे` नाराज छात्रों ने मुख्य द्वारा एवं नरिया गेट को बंद कर दिया एवं प्रदर्शन करने लगे इस मामले में पुलिस ने 12 नामजद समेत 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

संक्षिप्त खबरें

शार्ट सर्किट से आग लगने के कारण सामान जलकर खाक

प्रखर चंदवक जौनपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बरहपुर के मो. मशूद शाह के मढ़ाहे में शार्ट सर्किट से आग लगने के कारण इनका पूरा सामान जलकर खाक हो गया। मो. मसूद शाह बहुत गरीब है और एक मढ़ाहे के सिवा इनके पास कुछ भी नहीं था इनका घरेलू सामान भी इसी मढ़ाहे में था। आपदा की इस घड़ी में सुबे. मेजर मिथिलेश यादव, समाजसेवी, श्री बबलु यादव सेक्टर प्रभारी, श्री दिलीप सिंह जी सहित गाँव के अन्य लोग सांत्वना देने सुबह घर पर पहुँचे।

काशी विद्यापीठ में बी.ए. एल-एल.बी. प्रथम सेमेस्टर की मौखिक परीक्षा 9 मई को

वाराणसी। विधि विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बी.ए. एल-एल.बी. प्रथम सेमेस्टर सत्र 2023-24 के छात्रों की मौखिक परीक्षा 09 मई को होगी। विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. रंजन कुमार ने बताया कि मौखिक परीक्षा विधि विभाग में पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगी। विद्यार्थियों को व्यवहारिक कार्य/अभ्यास पुस्तिका के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है अन्यथा कि स्थिति में उनकी मौखिक परीक्षा नहीं होगी।

मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी ने प्रतिभावान बच्चों को किया सम्मानित

प्रखर जौनपुर। मियापुर मोहल्ले के कक्षा 4 के एक 8 साल के बच्चे में दिखी अतभुत प्रतिभा तो उक्त संस्था ने किया सम्मानित,8 वर्षीय बच्चे माविया और उसके भाई ने घर में पड़े कबाड़ से बनाया पंखा, संस्था के संचालक बख्तियार आलम ने बताया कि प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित कर हौसला बढ़ाने से बच्चों में कुछ नया करने का जज्बा पैदा होता है इससे इनकी प्रतिभा और निखरती है, समाजसेवी रियाजुल हक ने बच्चो की हौसला अफजाई कर उनके हौसलो को बुलंद करते हुए कहा की ऐसे बच्चे ही आगे चल कर समाज में नाम करते है और इनकी प्रतिभा को दबाना नही चाहिए यही हमारे कल के कलाम बनेंगे। समाज में सभी प्रकार के लोगों को आगे आकर हमारे समाज में पल बढ़ रहे ऐसे बच्चों की प्रतिभा को देखकर उसको और बढ़ावा देना चाहिए ।

पुलिस ने अपराधी को किया चिन्हित, बच्ची की तबियत बिगड़ी

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में मासूम के साथ हुये दुष्कर्म की घटना के तीसरे दिन भी पुलिस खुलासा नही कर पाई। सूत्रों की माने तो पुलिस शनिवार को खुलासा करने वाली थी लेकिन बच्ची की तबियत बिगड़ने के चलते पुलिस के कदम रुक गए। बताते चलें कि गुरुवार की भोर में 6 वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म कर सकते घर के समीप छोड़कर हैवान भाग गया था। उसके बाद से पुलिस टीम एसीपी प्रतीक कुमार के नेतृत्व में लगातार खुलासे के लिए अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ के बाद संदिग्ध तीन लोगों को अभी भी थाने पर रख पूछताछ के साथ साक्ष्य जुटाने में लगी है। इस बाबत इंस्पेक्टर संजय मिश्रा ने बताया कि पुलिस घटना के खुलासे के करीब पहुच चुकी है। जल्द ही खुलासा करेगी। वही सूत्रों की माने तो पुलिस घटना के तह तक पहुची चुकी है और अपराधी को भी चिन्हित कर चुकी है। बच्ची की तबियत बिगड़ने के चलते उसक बयान के लिए परिजन थाने नही पहुच पाए। जिससे कार्रवाई रुक गई। वही दूसरी तरफ शनिवार को बच्ची की तबियत बिगड़ने पर परिजन उसे फिर चिकित्सक के पास ले गए और इलाज कराया। बच्ची की तबियत और स्थिति को लेकर परिजन परेशान है। और खर्च भी अधिक हो रहा है। वही दूसरी तरफ बसपा का भी एक प्रतिनिधिमंडल पीड़िता के घर पहुच कर सहयोग का आश्वासन दिया।

अवैध कच्ची शराब के साथ किया गिरफ्तार

पीडीडीयु नगर। चंदौली। डा0 अनिल कुमार पुलिस अधीक्षक चन्दौली द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जनपद मे मादक पदार्थ व अवैध शराब की तस्करी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु दिये गये निदेर्शों के क्रम में विनय सिंह अपर पुलिस अधीक्षक सदर व अनिरुद्ध सिंह क्षेत्राधिकारी PDDU नगर के कुशल पर्यवेक्षण में शेषधर पाण्डेय प्रभारी निरीक्षक अलीनगर के कुशल नेतृत्व में शुक्रवार को मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर गंजी प्रसाद तिराहे के पास से चेकिंग के दौरान सफेद पिपिया में लिये करीब 20 लीटर कच्ची नाजायज शराब के साथ प्रमोद पुत्र छोटे लाल निवासी ग्राम हथेरवा थाना अलीनगर जनपद चन्दौली उम्र 30 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ में जानकारी मिली की उसके द्वारा खुद कच्ची शराब बनाकर बेच दिया जाता था , जिससे उसकी अच्छी खासी आमदनी हो जाती । गिरफ्तारी / बरामदगी के आधार पर थाना अलीनगर पर मु.अ.सं. 78/24 धारा 60 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी / बरामदगी में शामिल पुलिस टीम में निरीक्षक शेषधर पाण्डेय प्रभारी निरीक्षक थाना अलीनगर जनपद चन्दौली ।उप निरीक्षक मनीष कुमार सिंह चौकी प्रभारी जफरपुर थाना अलीनगर जनपद चन्दौली ।हे0का0 सुधीर सिंह थाना अलीनगर जनपद चन्दौली।

लूट के पंद्रह दिन बाद भी बलुआ पुलिस नहीं लगा पायी लुटेरों का पता

चहनियां। चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी मारूफपुर से डेढ़ किमी दुरी पर बीते 19 अप्रैल को कैशपार माइक्रो क्रेडिट के कर्मियों से 3.62 लाख रुपए की लूट के 15 दिन बाद भी बलुआ पुलिस लुटेरों तक नहीं पहुँच पायी। जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। कैशपार माइक्रो क्रेडिट का कार्यालय तारगाँव अजगरा प्राथमिक विद्यालय के सामने मनोज तिवारी के मकान में स्थित है। जहाँ से दिन भर की वसूली के बाद दो कर्मी बृजेश और सत्यपाल 3.62 लाख कैश बैग में लेकर मारूफपुर स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में जमा कराने जा रहे थे कि माँ बांग्ला भगवती मंदिर के पास मुंह बांधे तीन युवक धक्का मारकर पैसे भरा बैग लेकर भाग गये। सूचना पाकर सक्रिय हुयी पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर अधीनस्थों को कार्यवाही के लिये निर्देशित किया। लेकिन घटना के पंद्रह दिन बाद भी बलुआ पुलिस लुटेरों का पता नहीं लगा पायी जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

भाजपा विधानसभा सोशल मीडिया टीम की घोषणा होने पर भाजपा नेताओं ने दी शुभकामनाएं

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां, गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर जिले के अंतर्गत सहजनवां विधानसभा के भाजपा सोशल मीडिया की टीम की घोषणा हुई उक्त टीम में अभिषेक मिश्रा "राष्ट्रप्रेमी" को विधानसभा संयोजक एवं रामसेवक सिंह को विधानसभा सहसंयोजक बनाया गया तथा अंकुर सिंह विवेक निषाद संदीप पांडे नितीश दुबे एवं विकास सिंह को कार्य समिति सदस्य के तौर पर संगठन की जिम्मेदारी दी गई घोषणा के उपरांत माननीय सांसद जी ने सभी सम्मानित सदस्य को बधाई दिया माननीय जिला अध्यक्ष जी ने किया कहते हुए सभी सदस्यों को बधाई दिया कि आज के वर्तमान परिवेश में सोशल मीडिया के बिना संगठन का कार्य किया जाना अत्यंत ही दुर्लभ है माननीय विधायक जी ने सभी साइबर योद्धाओं के ऊपर विश्वास जताते

हुए कहा कि आप सभी के मनोनय से भारतीय जनता पार्टी सहजनवां विधानसभा में सोशल मीडिया की बदौलत अपने सरकार के द्वारा किए गए कार्य को जन-जन तक पहुंचाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं में उतराते मिला युवक का शव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को सुबह थाना भुड़कुड़ा पर यह सूचना मिली कि एक युवक का शव, जिसकी उम्र लगभग 24 वर्ष है, गाँव के बाहर एक कुएं में पड़ा है। इस सूचना पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई। मौके पर पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा घटनास्थल पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा वहाँ मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली गई तथा शव की शिनाख्त विशाल यादव पुत्र पारस यादव निवासी रामपुर रामबलभद्र के रूप में हुई। इस सम्बंध में अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित को निर्देशित किया गया। पुलिस जांच में जुट गई है कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है। स्थिति सामान्य है।

दुर्घटना को आमंत्रित कर रहे बाईक सवार, जान जोखिम में डालकर कर रहें बंद रेलवे गेट पार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन का गेट नंबर 11 गाजीपुर आजमगढ़ मुख्य मार्ग के बीच में स्थित है। दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन से रोजाना पैसेंजर, एक्सप्रेस, मालगाड़ी अन्य कई गाड़ियां गुजरती है जिस वजह से रोड पर चल रहे यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से गेट नंबर 11 बंद होता रहता है। मुख्य मार्ग पर स्थापित होने से जब गेट बंद होता है तो गेट के दोनों तरफ काफी यात्रियों की लंबी भीड़ लग जाती है। जिस वजह से कुछ यात्री ऐसे होते हैं जो नियमों का पालन न करते हुए बाये गेट के नीचे से निकल करके गेट नंबर 11 के बने हुए केबिन के बगल से बाइक लेकर अपनी जान जोखिम में डालकर निकलने का प्रयास करते रहते हैं। जिससे आए दिन घटनाएं दुर्घटनाएं होती रहती हैं फिर भी कोई भी बाइक सवार इस बात की तरफ ध्यान नहीं देता है और यह क्रम रोजाना चलता रहता है। आश्चर्य की

बात यह है कि जिम्मेदार रेलवे सुरक्षा बल इस पर कोई कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर रहा है। आए दिन लगातार बाइक सवार और टेंपो चालक नियमों को ताक पर रखकर के जान जोखिम में डालकर कर केबिन के बगल से गुजर रहे हैं परंतु जिम्मेदार अधिकारी मूक दर्शक बने हुए हैं। केबिन रेलवे लाइन से मात्र 2 फुट की दूरी पर सटा हुआ है जो बड़ी दुर्घटना से कभी भी नकारा नहीं जा सकता है। और रास्ते के नाम पर पत्थर पड़े होने से बाइक सवार अक्सर गिर के चोटिल भी हो जाते हैं। आलम यह है कि गेट नंबर 11 बंद होने के बावजूद भी बाइक सवार नियमों को तक पर रख करके केबिन के बगल से गुजरने का प्रयास करते हैं जिस वजह से भाई फिसलने की वजह से रेल लाइन पर गिरकर चोटिल हो जाते हैं । या फिर ट्रेन के नीचे आने से ट्रेन से कटकर उनकी मृत्यु हो जाती है। परंतु फिर भी बाइक सवार अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

मतदाता जागरुकता अभियान के तहत राजापुर ग्रीन पार्क स्टेडियम में 6 दिवसीय प्रीमियर मैच शुरू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिरनो ब्लॉक के भड़सर राजापुर के ग्रीन? पार्क स्टेडियम में आज शनिवार से निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता जागरूकता के तहत छह दिनों तक चलने वाले वोटर प्रीमियर लीग का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने फीताकाटकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। आज शनिवार को खेले गए उद्घाटन मैच में चक कपिल बनाम बोगना ने विपक्षी टीमों को पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश कर लिया। पहला मुकाबला चककपिल और बोगना के बीच खेला गया जिसमें चककपिल की टीम पहले बल्लेबाजी करती हुई 7 ओवर में 97 रन पर सिमट गई जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बोगना की टीम ने अन्तिम ओवर में छक्का लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया । मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि निर्वाचन आयोग शतप्रतिशत मतदान

को लेकर गंभीर है,इसी को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए वोटर प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है, इसी कड़ी में निर्वाचन विभाग ने वोटर प्रीमियर लीग कराने का निर्णय लिया है। कहा कि इस आयोजन में ब्लाक की 28 टीमें प्रतिभाग कर रही है।कहा कि जिनकी उम्र 18 वर्ष के ऊपर है उन्हीं को इस प्रीमियर लीग में शामिल करने के लिए योग्य माना गया है। यह आयोजन दस मई तक चलेगा, टीमों को यह बताना होगा कि वे किसी दल या प्रत्याशी से संबंध नहीं रखते हैं और वे किट की खुद व्यवस्था करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में ग्राम पंचायत अधिकारी लल्लन यादव, गुड्डू गुप्ता ग्राम प्रधान, सुरेश प्रधान, संजय सोनी जिला प्रोबेशन अधिकारी, पंचदेव राजभर राजन आलोक रामाश्रय लक्ष्मण वीरेंद्र सुनील आदि लोग उपस्थित रहे। अम्पायर की भूमिका में रितिक कुमार व वीरेंद्र पाल ने निभाई । स्कोर की भूमिका में खंड विकास अधिकारी सीमा कुमारी ने निभाई । जबकि कमेंट्री जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र सरोज व ग्राम प्रधान विनोद गुप्ता ने निभाई।

मारपीट व फायरिंग कर जान से मारने का प्रयास के मुकदमें में वांछित एक अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

चंदौली। डा0 अनिल कुमार पुलिस अधीक्षक चन्दौली के निदेर्शानुसार अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के अभियान के क्रम में विनय कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक चन्दौली के कुशल निर्देशन व रघुराज क्षेत्राधिकारी सकलडीहा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना धीना पुलिस टीम को 19.02.2024 को ग्राम लखईपुर में मार पीट व फायरिंग कर जान से मारने का प्रयास की घटना के सम्बन्ध में तहरीर प्राप्त हुई थी। तहरीर के आधआर पर थाना धीना पर मु0अ0सं0 11/2024 धारा 147,148,307,323,336,352,504,506,325 भादवि बनाम निशान्त यादव पुत्र संतोष यादव , अभिषेक यादव पुत्र शैलेन्द्र यादव, शैलेन्द्र यादव पुत्र शिवराज यादव उर्फ सिराज ,मन्नु यादव पुत्र रमाशंकर यादव उर्फ टुन्नु यादव निवासीगण मल्लह टोला नारी पचदेवरा थाना रामपुर माझा जनपद गाजीपुर व खरपत उर्फ पिन्टू यादव पुत्र स्व0 रामअधार यादव निवासी मटखन्ना नारी पचदेवरा थाना रामपुर माझा जिला गाजीपुर के विरूद्ध पंजीकृत हुआ था । मुकदमा उपरोक्त से संबंधित तीन अभियुक्तगण निशान्त यादव पुत्र सतोंष यादव व शैलेन्द्र यादव पुत्र शिवराज यादव उर्फ सिराज यादव व अभिषेक यादव पुत्र शैलेन्द्र यादव समस्त निवासीगण ग्राम नारी पचदेवरा (मल्लाहटोला) थाना रामपुर माझा जिला गाजीपुर पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है ।

अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना धीना पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी जिसके परिणामस्वरूप अभियुक्त खरपत यादव पुत्र स्व0 रामअधार यादव निवासी मटखन्ना नारी पचदेवरा थाना रामपुर माझा जिला गाजीपुर को मुखबीर की सूचना के आधार पर गुरूवार को रामपुर मांझा बाजार जनपद गाजीपुर से गिरफ्तार कर लिया गया । बाद गिरफ्तारी थाना धीना पर लाकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । ग्राम लखईपुर में अभियुक्त शैलेन्द्र यादव उपरोक्त की बेटी की शादी हुयी थी किसी बात को लेकर पति-पत्नी में काफी दिनों से विवाद चल रहा था । इसी बीच दिनांक 19.02.2024 कों शैलेन्द्र यादव का भतीजा निशान्त यादव अपनी चचेरी बहन के घर आया था जिसको ग्राम लखईपुर के मुलायम यादव व उसके परिजन गाली गुप्ता देते हुए मारपीट दिये थे इसी के प्रतिशोध में निशान्त यादव ने घर ग्राम नारी पचदेवरा थाना रामपुर माँझा जनपद गाजीपुर फोन करकें औ? लोगो को बुला लिया और मारपीट तथा फा?रिंग की घटना को अंजाम दिया था । गिरफ्तारी बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक रमेश यादव थाना धीना जनपद चन्दौली।उ0नि0 अशोक कुमार ओझा थाना धीना जनपद चन्दौली।उ0नि0 खेदूराम भारती थाना धीना जनपद चन्दौली।हे0का0 तारकेश्वर गुप्ता थाना धीना जनपद चन्दौली।का0 चन्दन वर्मा थाना धीना जनपद चन्दौली।का0 अमन पासवान थाना धीना जनपद चन्दौली।

भदोही की लड़ाई में बसपा बार-बार बदलती हाथी का महावत

बसपा ने हरिशंकर चौहान उर्फ दादा को बनाया तीसरा उम्मीदवार, पहले अतहर अंसारी और फिर इरफान अहमद बबलू का पत्ता किया साफ

प्रखर भदोही। भदोही लोकसभा सीट राजनैतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है।परिणाम को अपने पक्ष में लाने के लिए सभी दल एड़ी-चोटी का जोर लगाते दिखते हैं। लेकिन बहुजन समाजपार्टी इस होड़ में सबसे आगे निकल गईं है। पूरे देश में संभवतः बसपा ही एकमात्र ऐसा राजनैतिक दल है जिसने तीसरी बार भदोही लोकसभा सीट पर अपना उमीदवार बदला है। भदोही के चुनावी महासंग्राम में उतरी हाथी अभी तक स्थिर नहीं हो पाई। वह कभी आगे तो कभी पीछे कदम कर रही है। लेकिन अब उम्मीदवार नहीं बदले जाएंगे क्योंकी अब नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गईं है। इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी और दूसरे उमीदवारों ने अपना नामांकन शनिवार को भर दिया है। भदोही में लड़ाई त्रिकोणीय है। यहाँ भजपा -निषाद पार्टी, इण्डिया गठबंधन और बसपा में सीधा मुकाबला है। अब इस युद्ध में कौन विजयी होता है यह देखना होगा। भदोही बसपा के लिए इतनी महत्पूर्ण सीट क्यों हो गईं कि उसे एक -दो नहीं तीन -तीन बार उम्मीदवार बदलना पड़ा। बसपा बार -बार उम्मीदवारों को बदल कर क्या संदेश देना चाहती है। क्या जिन्हें टिकट दिया गया वे लड़ने के लिए तैयार नहीं थे या पार्टी कार्यकर्ता उस पर सहमत नहीं थे। फिलहाल यह पार्टी का अपना आंतरिक मामला है। भदोही से 2009 के बाद बसपा कभी चुनाव नहीं जीत पायी। लेकिन स्वतंत्र लोकसभा सीट के पहले सांसद पंडित गोरखनाथ पांडेय बसपा से ही चुनाव जीता था। बहुजन समाज पार्टी ने तीसरी बार पार्टी के मंडल क़्वार्डिनेटर हरिशंकर चौहान उर्फ दादा को चुनावी मैदान में उतारा है। भदोही के सुरियावां के रहने वाले दादा बाहरी उम्मीदवार नहीं हैं। यह बसपा से साल 2022 में भदोही से विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था और तीसरी पायदान पर थे। यहाँ से सपा के जाहिद बेग

भाजपा के रविन्द्रनाथ को पराजित किया था। रविंद्रनाथ को भी 95 हजार से अधिक वोट मिले थे। दादा की चौहान बिरादरी में अच्छी खासी पकड़ बताई जाती है। जबकि दलित बसपा के परम्परागत वोटर हैं। चुनावी मैदान में दादा के आने से जहाँ भजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है वहीं इंडिया गठबंधन को फायदा मिल सकता है।अहम सवाल उठता है की पार्टी मुस्लिम समुदाय से आने वाले दो उम्मीदवारों का टिकट काट कर दादा को क्यों उमीदवार बनाया। सबसे पहले बसपा ने भदोही पालिकाध्यक्ष नरगिस अतहर के पति अतहर अंसारी को चुनाव मैदान में उतारा था। फिर उनका टिकट काटकर इरफान अहमद बबलू को टिकट दिया। अब तीसरी बार हरिशंकर चौहान उर्फ दादा को टिकट दिया गया है। मुस्लिम उमीदवारों की वजह से बसपा अलसंख्य समुदाय के वोट में सेंधमारी कर इण्डिया गठबंधन को कमजोर कर सकती थीं लेकिन अचानक उसे फैसला बदलना पड़ा। हालांकि दादा चौहान को पूर्व के दोनों उमीदवारों से बेहतर राजनैतिक अनुभव और जनछबि है। क्योंकि पूर्व के घोषित उम्मीदवार कोई चुनाव नहीं लड़ा था और वे चर्चित आम आदमी के बीच के चेहरे नहीं थे। जबकि दादा चार बार जहाँ जिला पंचयात सदस्य रह चुके हैं वहीं वे 2022 में भदोही विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। उन्हें 16.28 फीसदी वोट यानी 40,758 वोट मिले थे। दादा के लिए लोकसभा का यह पहला चुनावी अनुभव होगा।

भदोही में जातीय समीकरण के अनुसार बात करें तो ब्राह्मण पहले, बिंद दूसरे, दलित तीसरे और मुस्लिम चौथे स्थान पर हैं। बसपा भी दलित, मुस्लिम और पिछड़ो पर दांव खेला है। अब बदली राजनैतिक परिस्थिति में चौहान बिरादरी दादा के साथ खड़ी हो सकता है क्योंकि वे खुद चौहान बिरादरी से हैं। मुस्लिम मतों में दादा कितना सेंध लगा सकते हैं यह देखना होगा। वैसे साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा यहाँ दूसरे नंबर पर थीं। पंडित रंगनाथ मिश्र को 4,66,414 वोट मिले थे। साल 2009 में बसपा से चुनावी जीत दर्ज करने वाले पंडित गोरखनाथ पांडेय ने 12 हजार से जीत दर्ज किया। जबकि 2014 में बसपा ने पूर्वमंत्री पंडित राकेशधर त्रिपाठी को उतारा था। हालांकि वे भाजपा के वीरेंद्र सिंह मस्त से चुनाव हार गए लेकिन 2, 45, 554 मत यानी 25.1 फीसदी वोट हासिल कर दूसरे नंबर पर रहे। मिजार्पुर - भदोही संयुक्त संसदीय क्षेत्र से नरेंद्र कुशवाहा और रमेश दुबे बसपा के सांसद रह चुके हैं। फिलहाल राजनीतिक फांस में उलझी बसपा हरिशंकर चौहान उर्फ दादा को तीसरी बार हाथी का महावत बनाया है अब वह क्या गुल खिलाएंगे यह वक्त बताएगा।

जॉन अब्राहम ने फैन को गिफ्ट किए महंगे जूते

नई दिल्ली। जॉन अब्राहम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें जॉन का एक फैन उनसे मिलने के लिए आया था। यह फैन उनके लिए एक केक लेकर आया था। जॉन ने पहले केक काटा और उसके बाद अपने फैन को एक सरप्राइज दिया। जॉन ने अपने एक बाइकर शू फैन को गिफ्ट किए। वह फैन तुरंत अपने जूते उतारकर जॉन के गिफ्ट किए जूते पहनने लगता है। वह पहन तो लेता है लेकिन जूते के स्टैप्स को ठीक से बांध नहीं पाता। जब जॉन की नजर इस पर पड़ती है तो वह तुरंत नीचे बैठकर उसके जूते का स्ट्रैप बांधने लगते हैं। जॉन को ऐसा करते देख फैन भी काफी हैरान रह जाता है।

लाइफ Style

जाह्नवी

जाह्नवी कपूर के फैंस दीवाने हैं। उनकी एक्टिंग के साथ लुक्स पर भी फैंस मर मिटते हैं। जाह्नवी का बचपन चेन्नई में बीता है। उनका चेन्नई वाला घर बेहद खूबसूरत है। इस घर से जाह्नवी की कई यादें जुड़ी हुई हैं। उनकी मां श्रीदेवी से जुड़ी हुई खासकर।

मेरे बचपन के घर में रह सकते हैं आप भी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अब जाह्नवी के इस लग्जीरियस घर में रहने का मौका आपको भी मिल सकते है। इसका ऑफर एक प्लेटफार्म पर दिया गया है। जी हां अब एयरबीएनबी से आप जाह्नवी कपूर का चेन्नई वाला घर रहने के लिए बुक कर सकते हैं। एयरबीएनबी ने जाह्नवी के घर की झलक अपनी साइट पर दिखाई है। उन्होंने घर के अंदर की फोटोज शेयर की हैं, जिसमें घर का हर कोना दिखाया गया है। जिसे देखने के बाद आपके मुंह से बस निकलेगा वाओ। जाह्नवी के इस घर को एक दम नया जैसा बना दिया गया है। ये घर 4 एकड़ में बना हुआ है। इसकी खास बात ये है कि इसका फुटबॉल ग्राउंड ही 1.3 एकड़ में बना हुआ है। अगर आप इस घर की तस्वीरें देखेंगे तो इसके आगे आपको शाहरुख खान का मन्नत कुछ भी नहीं लगेगा।

साइट पर बताया गया है कि जाह्नवी दो मेहमानों का स्वागत करेंगी, जिन्हें 1 बेडरूम और बाथरूम की सुविधा मिलेगी। यह 12 मई को बुकिंग के लिए खुला रहेगा। एक बार जब जाह्नवी गेस्ट सिलेक्ट कर लेंगी तो उन सिलेक्टिड मेहमानों को साउथ इंडियन क्यूज़ीन खाने का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं, उन्हें जाह्नवी के फेवरेट लोकर फूड जैसे घी पोडी चावल और पालकोवा का भी आनंद लेने का मौका मिलेगा।

हॉलीवुड मसाला

12 बार फिल्मों में बने 'गॉडज़िला'

हाल ही में सिनमेघरों में 'गॉडजिला एक्स कॉन्गः द न्यू एम्पायर' रिलीज हुई, जिसने भारत के बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर ली है। हारुओ नाकाजिमा एक या दो नहीं बल्कि 12 फिल्मों में 'गॉडजिला' का किरदार निभाया है। ये एक जापानी एक्टर हैं जिन्होंने पहली बार बड़े पर्दे पर गॉडजिला का किरदार निभाया। इसी फिल्म के किरदार से वह खूब पॉप्युलर भी हुए। पहली बार हारुओ नाकाजिमा ने साल में आई फिल्म 'गॉडजिला' में नजर आए थे, जिसके लिए उन्होंने 220 पाउंड का कॉन्क्रीट बॉडीसूट पहना था।

हंसल मेहता की सीरीज 'गांधी में 'हैरी पॉटर' के अभिनेता की एंट्री

नई दिल्ली। हंसल मेहता की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'गांधी में मशहूर हॉलीवुड फिल्म 'हैरी पॉटर' के अभिनेता टॉम फेल्टन की एंट्री हो चुकी है। गुरुवार को फिल्म निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है। अभिनेता टॉम फेल्टन 'हैरी पॉटर' जैसी फिल्म में अपने अभिनय से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हुए। 'हैरी पॉटर' फिल्म जे. के. रोलिंग की बेस्ट सेलिंग किताब की सीरीज पर आधारित है। भारत में भी 'हैरी पॉटर' के प्रशंसकों की बड़ी तादाद है। खासकर बच्चों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। हंसल मेहता ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की। मेहता ने पोस्ट कर लिखा, 'हमारी शूटिंग चल रही है। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार टॉम फेल्टन, लिब्बी माई, मौली राइट, राल्फ एडेनियि, जेम्स मरे, लिंडन अलेक्जेंडर, जोनो डेविस, साइमन लेनन आदि के साथ काम कर के मैं बेहद रोमांचित हूं।'

तीस साल बाद सामने आया कोल्ड वॉर

नई दिल्ली। बॉलीवुड में एक्ट्रेसेस के बीच कैट फाइट के कई किस्से हैं। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में श्रीदेवी से लेकर शिल्पा शेट्टी और रवीना टंडन तक कई विवाद हैं। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन और सुष्मिता सेन के बीच बहस होने की खबर आई थी। इन दोनों के बीच आखिर क्या विवाद था और ये एक-दूसरे से बात क्यों नहीं कर रहे हैं, इसकी कोई वजह सामने नहीं आई। आज 30 साल बाद ऐश्वर्या राय और सुष्मिता सेन के बीच विवाद का सच सामने आया है। मानिनी ने साफ कहा कि दोनों के बीच कोई विवाद नहीं था। दोनों के बीच विवाद मीडिया ने पैदा किया है। प्रतियोगिता के दौरान वे दोनों एक-दूसरे से बात करते थे और एक-दूसरे के साथ सम्मान से पेश आते थे। उस समय ऐश्वर्या राय पहले से ही एक साबुन ब्रांड के लिए मॉडल थीं।

दिलवाले ने बचाया था डूबता करियर

नई दिल्ली। अजय देवगन बॉलीवुड के टॉप कलाकारों में से एक हैं। इस साल भी वह दो फिल्म शैतान और मैदान में नजर आ चुके हैं। शैतान ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई भी की है। अजय देवगन बॉलीवुड के उन कलाकारों में से एक उनकी फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया जब वह बैक टू बैक फ्लॉप से परेशान हो गए थे। इतना ही नहीं, उनका करियर डूबने की कगार पर था, लेकिन एक फिल्म ने उनके करियर को रातों-रात बदल डाला. इस फिल्म का नाम दिलवाले हैं। यह फिल्म साल 1994 में आई थी। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ सुनील शेट्टी, रवीना टंडन और परेश रावल सहित कई कलाकार मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में अजय देवगन की एक्टिंग को देख फैंस भी हैरान हो गए थे।

टीवी मसाला

बच्चे ने कहा 'आंटी', सुनकर हंस पड़ीं माधुरी दीक्षित

नई दिल्ली। माधुरी दीक्षित इन दिनों बॉलीवुड मूवीज से भले ही दूर हों, लेकिन कलर्स टीवी के डांस रियलिटी शो डांस दीवाने में वह फैंस को जरूर एंटरटेन कर रही हैं। शो से उनके वीडियो अक्सर सामने आते हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद करते हुए नजर आते हैं। इसी बीच एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस को एक बच्चा लोगों के सामने आंटी कहता हुआ नजर आ रहा है। वहीं यह सुनते ही एक्ट्रेस का रिएक्शन काफी वायरल हो रहा है। माधुरी दीक्षित डांस दीवाने शो के सेट पर आती हैं। तभी अचानक एक महिला उनसे कहती है कि मेरा बेटा आपसे मिलना चाहता है। बच्चा आता है और महिला उसे आंटी को हैलो कहने के लिए कहती है। इसे सुनकर एक्ट्रेस हंस पड़ती हैं। माधुरी दीक्षित एथनिक आउटफिट में नजर आती हैं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लगती हैं। गौरतलब है कि 1984 में अबोध फिल्म से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद वह ड्रामा आवारा बाप और स्वाति जैसे शोज में नजर आईं। वहीं उन्हें दिल तो पागल है, देवदास, हम आपके हैं कौन, दिल और कोयला जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। जबकि उन्हें 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में गिना जाता है।

10 बजे के बाद कपिल शर्मा का फोन ले लेती हैं पत्नी गिन्नी

नई दिल्ली। कपिल शर्मा कॉमेडी की किंग कहे जाते हैं। कपिल रोते हुए को भी हंसाने का हुनर रखते हैं। कपिल की फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है। इन दिनों कॉमेडियन अपने नए शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कपिल का ये शो दर्शकों को खूब एंटरटेन कर रहा है। सबका

इंटरव्यू लेने वाले कपिल का इस बार इंटरव्यू लिया गया है, जिसमें उन्होंने अपने कई राज खोले हैं। हाल ही में कपिल शो आपकी अदालत में पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई राज खोले। कपिल ने इस इंटरव्यू में खुलासा करते हुए बताया है कि उनकी पत्नी गिन्नी हर रोज रात के 10 बजे के बाद उनका फोन ले लेती हैं। कॉमेडियन ने इसके पीछे की वजह भी बताई है। सुना है कि रात को 10 बजे के बाद आपकी वाइफ आपका फोन रख लेती हैं, इसके जवाब में कपिल मजाकिया अंदाज में कहते हैं कि- ये स्टेटमेंट में थोड़ी सी करेक्ट करना चाहूंगा। रोज 10 बजे के बाद नहीं कभी-कभी जब मेरे 11. 30 बजते हैं। तब वो फोन अपने पास रखती हैं क्योंकि उसको पता है कि मैं फिर कुछ गड़बड़ कर दूंगा, इसलिए ही मैं कह रहा था शादी कर लेनी चाहिए।

बॉबी ने दिल्ली का सुल्तान बनकर उड़ाए होश

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा के बेहद लोकप्रिय और सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक पवन कल्याण ने अपने शानदार करियर में पहली बार पीरियड एक्शन एडवेंचर, हरि हर वीरमल्लु में काम करने का फैसला किया है। निर्माता एएम रत्नम अपने प्रतिष्ठित मेगा सूर्या प्रोडक्शंस पर पहले कभी न देखे गए कैनवास पर फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म की कहानी 17वीं शताब्दी के एक शख्स की है जो शोषण के खिलाफ आवाज उठाता है।

फिल्म के बड़े बजट में शूट किया गया है और इसकी शूटिंग के लिए चारमीनार, लाल किला और मछलीपट्टनम बंदरगाह जैसे विशाल सेट बनाए गए. हरि हर वीरमल्लु हिंदी टीजर रिलीज हो गया है। इस टीजर को नाम दिया गया है, 'हरि हर वीरमल्लुः स्वॉर्ड वर्सेज स्पिरिट.' फिल्म में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल दिल्ली के सुल्तान के किरदार में नजर आ रहे हैं। टीजर में, निर्माताओं ने पवन कल्याण उर्फ हरि हरि हर वीरमल्लु के चरित्र को 'अकेला योद्धा' के रूप में वर्णित किया है, जो उस भूमि में 'न्याय के लिए युद्ध लड़ता है' जहां गरीबों का शोषण होता है और अमीर पनपते हैं। फिल्म में म्यूजिक एमएम कीरावनी का है। मुगल सम्राट के रूप में बॉबी देओल हैं और गरीबों और पीड़ितों के नायक के रूप में पवन कल्याण हैं। दोनों सितारों की शारीरिक भाषा, उनके लिए डिजाइन किया गया लुक दोनों ही कमाल के हैं।

निर्देशक कृष जगरलामुडी पहले ही कांचे, गौतमीपुत्र सातकर्णी और मणिकर्णिका जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं, जिसमें उन नायकों को दिखाया गया है।

फिल्म श्रीकांत का एक और रोमांटिक गाना

'तुम्हें ही अपना माना है' गाना रिलीज

नई दिल्ली। फिल्म 'श्रीकांत- आ रहा है सबकी आंखें खोलने' के गानों ने फैंस को अपनी ओर आकर्षित किया है। फिल्म का एक और रोमांटिक सॉन्ग 'तुम्हें ही अपना माना है... रिलीज कर दिया गया है। इस गाने को दृष्टिबाधित उद्योगपति श्रीकांत बोला के रूप में (राजकुमार राव) और उनकी प्यारी पत्नी स्वाति (अलाया एफ) पर फिल्माया गया है। दोनों के प्यार और उनके बीच के रिश्तों की कठिनाइयों को दर्शाया गया। इस रोमांटिक गाने को सचेत और परंपरा टंडन ने गाया और कम्पोज़ड किया है। इस गाने को योगेश दुबे ने लिखा गया है। 'तुम्हें ही अपना मानना है...' में श्रीकांत और स्वाति के बीच अटूट समर्थन और प्रोत्साहन को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इस फिल्म में राजकुमार राव के साथ ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर नजर आएंगे। यह फिल्म 10 मई 2024 को देशभर में रिलीज होगी।

नरगिस की याद में बर्बाद हो गए थे राज कपूर

शराब पीकर सिगरेट से खुद को जलाते, रातभर रोते

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

फिल्मों की शूटिंग के दौरान एक्टर और एक्ट्रेसेस के बीच अफेयर्स के किस्से आम हैं. लेकिन उन अफवाहों में कुछ ऐसी लव स्टोरीज बाहर निकलकर आती हैं जो सच्ची होती हैं। कुछ की जोड़ी हमेशा के लिए एक हो जाती है तो कई साथ होकर भी बिछड़ जाते हैं। उनमें से एक थी राज कपूर और नरगिस की जोड़ी जो 40 और 50 के दशक में खूब सुर्खियों में रही लेकिन 60 का दशक आते-आते खत्म हो गई। राज कपूर किसी फिल्म की शूटिंग के लिए नरगिस की मां से मिलने उनके घर गए, जहां उन्होंने पहली बार नरगिस को देखा था। राज कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म आग में नरगिस को साइन कर लिया। वहां से उनके बीच की कहानी शुरू हुई जिसका दर्दनाक अंत हुआ।

नरगिस और राज कपूर का रिश्ता क्यों टूटा?

राज कपूर के प्यार में नरगिस ने उनके हर फैसले को माना, लेकिन उन्होंने सिर्फ आरके स्टूडियो में काम करने के फैसले पर अफसोस जताया। काम के नाम पर उनके पास सिर्फ आरके स्टूडियो की फिल्म श्री 420 ही थी। साल 1954 में राज कपूर और नरगिस एक साथ सोवियत संघ गए जिनके साथ दिलीप कुमार और देव आनंद जैसे कलाकार भी थे। उस दौरान पहली बार नरगिस को एहसास हुआ कि उन्होंने कुछ गलतियां कर दी हैं। सिमी ग्रेवाल को दिए एक इंटरव्यू में नरगिस ने कहा था, 'सोवियत संघ में जब मेरा वेलकम राज कपूर के साथ वैसा नहीं हुआ जैसा होना चाहिए था तब वो बात मुझे खटकी।'

नरगिस और राज कपूर की लव स्टोरी

शादीशुदा राज कपूर पहली ही नजर में नरगिस पर दिल हार बैठे थे। उन्होंने नरगिस को फिल्म आग (1948) में इस वजह से ही लिया था जिससे उनकी पहचान आगे बढ़ सके। ये फिल्म तो खास नहीं चली लेकिन अगली फिल्म बरसात (1949) ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया. नरगिस और राज कपूर की जोड़ी हिट हुई। साथ ही इनकी प्रेम कहानी का भी आगाज हुआ. राज कपूर शादीशुदा हैं ये जानते हुए भी नरगिस ने उनसे प्यार किया और निभाने की भी पूरी कोशिश की। उस दौर में नरगिस और राज कपूर एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। मधु जैन की किताब 'द कपूर्स' के मुताबिक, जब राज कपूर के घर में नरगिस के बारे में पता चला तो हंगामा हुआ लेकिन राज कपूर ने अपने पिता से वादा किया कि वो अपनी पत्नी कृष्णा को कभी नहीं छोड़ेंगे लेकिन नरगिस से उनका प्यार सच्चा है। उधर नरगिस के भाई अख्तर हुसैन ने भी इस रिश्ते से आपत्ति जताई, क्योंकि राज कपूर शादीशिदा थे लेकिन नरगिस भी किसी की नहीं मानीं। नरगिस राज कपूर के प्यार के किस्से उस दौर में ओपेन हो चुका था और कुछ समय के बाद वो दोनों लिव इन में भी रहने लगे थे। 'द कपूर्स' के मुताबिक, राज कपूर की वाइफ कृष्णा ने कहा था कि वो रात-रातभर राज का इंतजार करती थीं लेकिन वो एक रात छोड़ अगले दिन घर आते वो भी शराब के नशे में और आते ही सो जाते थे। हर बात से बेखबर नरगिस और राज कपूर अपने रिश्ते को पूरा-पूरा समय देने लगे। फिल्में भी दोनों साथ करते साल 1948 में राज कपूर ने आरके स्टूडियो बनाया, जिसका लोगो राज और नरगिस की फिल्म आग का एक पोज था। आरके स्टूडियो को नरगिस भी अपना मानती थीं और उनकी कमाई का हिस्सा यहां बनने वाली फिल्मों में लगने लगा था।

संक्षिप्त खबरें

श्रीराम प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में चार एकड़ जमीन खरीदी

नई दिल्ली। श्रीराम प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बेंगलुरु में आवासीय परियोजना बनाने के लिए चार एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने इस परियोजना के लिए राजस्व लक्ष्य 250 करोड़ रुपये तय किया है। श्रीराम फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह जमीन बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पास चंदापुरा में है। कंपनी ने हालांकि सौदे की कीमत की घोषणा नहीं की है। श्रीराम प्रॉपर्टीज लगभग चार लाख वर्ग फुट क्षेत्र में 350 अपार्टमेंट तैयार करेगी। कंपनी ने कहा, ''इस परियोजना से 250 करोड़ रुपये से अधिक की आमदनी हो सकती है और अगले तीन साल में यह तैयार हो सकती है। कंपनी चालू वित्त वर्ष के दौरान इस परियोजना को शुरू करने का लक्ष्य बना रही है।'' श्रीराम प्रॉपर्टीज के पास 31 मार्च, 2024 तक 5.1 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्रफल में 47 परियोजनाएं हैं, जिनमें 25 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

एचसीएलटेक और सिस्को ने नयी सर्विस पेश की

नई दिल्ली। आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज और नेटवर्क दिग्गज सिस्को ने 'परवेसिव वायरलेस मोबिलिटी ऐज़-ए-सर्विस' शुरू करने की घोषणा की है। यह विभिन्न उद्योगों के लिए सुरक्षित और निर्बाध उद्यम-व्यापी संपर्क स्थापित करेगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सेवा एचसीएलटेक की प्रबंधित नेटवर्क सेवा विशेषज्ञता को सिस्को की अल्ट्रा-रिलायबल वायरलेस बैकहॉल प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ती है ताकि नेटवर्क का एक ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार किया जा सके जो मजबूत संपर्क प्रदान करे। विज्ञप्ति में कहा गया, '' एचसीएलटेक और सिस्को ने व्यापक वायरलेस मोबिलिटी को सेवा के रूप में पेश किया है... यह विविध उद्योगों के लिए सुरक्षित और निर्बाध उद्यम-व्यापी संपर्क स्थापित करेगी।''

मिनरवा वेंचर्स फंड ने केबीसी ग्लोबल में हिस्सेदारी खरीदी

नासिक। अमेरिका स्थित मिनरवा वेंचर्स फंड ने केबीसी ग्लोबल लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी है, जो कन्स्ट्रक्शन और रियल एस्टेट विकास क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध बल्क डील के आंकड़ों के अनुसार, मिनरवा वेंचर्स फंड ने केबीसी ग्लोबल लिमिटेड की एक प्रतिशत इक्विटी प्रति शेयर. 2.05 रुपये पर खरीदी है। कंपनी ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में विस्तार के लिए रणनीतिक योजनाओं की भी घोषणा की है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज को 471 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत बढ़कर 471.26 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 412.14 करोड़ रुपये रहा था। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुल आय बढ़कर 1,914.82 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 1,838.82 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 725.27 करोड़ रुपये हो गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 571.39 करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष में कुल आय बढ़कर 4,334.22 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 3,039 करोड़ रुपये थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है।

डाबर हर्बल चारकोल ने डिज़्नी के साथ मिलाया हाथ

नई दिल्ली। प्रीमियम टूथपेस्ट ब्राण्ड डाबर हर्बल चारकोल ने डिज़्नी स्टार वार्स फ्रैंचाइज़ के साथ हाथ मिलाया है। अपने लोकप्रिय एक्टिवेटेड चारकोल टूथपेस्ट के लिमिटेड एडीशन स्टार वार्स पैक के लिए डाबर हर्बल ने इस साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत अपनी व्हाइटिनंग प्रॉपर्टीज़ के लिए विख्यात डाबर हर्बल एक्टिवेटेड चारकोल टूथपेस्ट और स्टार वार्स, युवाओं को लुभाने और उन्हें ओरल केयर का रोमांचक अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है। यह जानकारी डाबर इंडिया लिमिटेड में मार्केटिंग के एक्ज़क्टिव वाईस प्रेज़ीडेन्ट अभिषेक जुगरान ने दी। उन्होंने बताया कि क्लीनिकल रूप से सिद्ध है कि यह 1 सप्ताह में 1 शेड सफेद दांत प्रदान करता है। डाबर हर्बल एक्टिवेटेड चारकोल टूथपेस्ट का लिमिटेड एडीशन स्टार वार्स पैक एमज़ॉन पर उपलब्ध होगा।

एप्पल को भारत में बेहतरीन कारोबार की आशा : कुक

नई दिल्ली (भाषा)।

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने भारत में मजबूत दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है और मार्च तिमाही में नया राजस्व रिकॉर्ड बनाया है। कुक ने कहा कि भारतीय बाजार पर ''मुख्य तौर पर ध्यान'' दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एप्पल, डेवलपर से लेकर बाजार तथा परिचालन तक पूरे परिवेश तंत्र पर काम कर रहा है और वह वृद्धि आंकड़ों से ''बेहद खुश'' है।

उन्होंने टेक कंपनी की दूसरी तिमाही की आय में भारत के योगदान पर कहा, '' हमने (भारत में) मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की। हम इससे बेहद खुश हैं। यह हमारे लिए मार्च तिमाही का नया राजस्व रिकॉर्ड है। जैसा कि आप जानते हैं, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है..मैं इसे एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार के रूप में देखता हूं और यह हम मुख्य तौर पर इस पर ध्यान दे रहे हैं।'' क्यूपर्टिनो स्थित आईफोन निर्माता ने एक दर्जन से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किए हैं। इनमें मार्च तिमाही के भारत, लैटिन अमेरिका और पश्चिम एशिया के साथ-साथ कनाडा, स्पेन और तुर्किये में दर्ज रिकॉर्ड राजस्व शामिल हैं।

एप्पल के भारतीय प्रदर्शन पर कुक ने कहा कि कंपनी के परिचालन संबंधी कार्य और विभिन्न पहलों के साथ-साथ बाजार में प्रवेश की योजना जारी है। उन्होंने कहा, ' हमने पिछले वर्ष कुछ स्टोर खोले हैं और हमें वहां अपार संभावनाएं नजर आ रही हैं।''

एयर इंडिया की दिल्ली-ज्यूरिख सीधी उड़ान सेवा 16 जून से

नई दिल्ली (भाषा)। एयर इंडिया दिल्ली से स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख के लिए सीधी उड़ान सेवा 16 जून से शुरू करेगी। इसके साथ ही ज्यूरिख भारत से एयर इंडिया की सीधी उड़ान सेवा वाला सातवां यूरोपीय शहर हो जाएगा। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उड़ानों का संचालन सप्ताह में चार दिन...सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार... होगा। उड़ान के लिए बोइंग 787 विमान का उपयोग किया जाएगा। इसमें 'इकोनोमी' और 'बिजनेस' श्रेणी होंगी।

एयर इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने कहा, ''भारत में काम कर रही 250 से अधिक स्विस कंपनियों, स्विट्जरलैंड में सैकड़ों भारतीय कंपनियों और लगभग 18,000 की प्रवासी भारतीय आबादी के साथ ये उड़ानें दोनों क्षेत्रों में व्यापार और पर्यटन यात्रा की मजबूत मांग को पूरा करेंगी।' एयरलाइन यूरोप के छह शहरों- एम्स्टर्डम, कोपेनहेगन, फ्रैंकफर्ट, मिलान, पेरिस और वियना के लिए 60 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है।

भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र को वित्त मुहैया कराने को एडीबी तैयार

त्बिलिसी (भाषा)।

■ एशियाई विकास बैंक के उपाध्यक्ष भार्गव दासगुप्ता ने कहा कि हम हमेशा नये क्षेत्रों को देखने को तैयार हैं

■ एडीबी हरित ऊर्जा इकाइयों को ऋण देने पर विचार करेगा

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के उपाध्यक्ष भार्गव दासगुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि एडीबी जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों से निपटने में मदद करने के अलावा भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र को वित्त मुहैया कराने के लिए भी तैयार है। एडीबी ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उपग्रह से संबंधित कुछ परियोजनाओं को अंजाम दिया हुआ है लेकिन उसने भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में अब तक कोई वित्तीय मदद नहीं दी है।

दासगुप्ता ने कहा, 'हमने इस क्षेत्र में अब तक बहुत कुछ नहीं किया है। हम हमेशा नए क्षेत्रों को देखने को तैयार हैं। हमारा मानना है कि अब यह क्षेत्र खुल गया है और स्टार्टअप भी इसमें खूब दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अगर हम टिकाऊ विकास लक्ष्य (एसडीजी) के संदर्भ में अपने उद्देश्यों से मेल देखते हैं तो हम इस पर गौर करेंगे।' पिछले महीने सरकार ने उपग्रह निर्माण और उपग्रह प्रक्षेपणयान क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)नीति में संशोधन को अधिसूचित किया था।

दासगुप्ता ने भारत में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा, 'हम हाल ही में छतों पर सौर इकाई लगाने की परियोजना शुरू होने, बड़ी सौर परियोजनाओं, पंप हाइड्रो और बैटरी भंडारण जैसे कामों को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हम इन खंडों में कई प्रायोजकों से बात कर रहे हैं। हमें यह देखकर ख़ुशी होगी कि हम उनमें से कितने को वित्त पोषित कर सकते हैं।'

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि ऊर्जा पारेषण, पुरानी कोयला आधारित बिजली परियोजनाओं को हरित ऊर्जा इकाइयों में बदलने में भी कॉरपोरेट जगत की दिलचस्पी नजर आ रही है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी दासगुप्ता को पिछले साल सितंबर में एडीबी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वह एडीबी के निजी क्षेत्र परिचालन विभाग और बाजार विकास एवं सार्वजनिक निजी भागीदारी कार्यालय का प्रबंधन देखते हैं। भारत 1966 में स्थापित एडीबी का संस्थापक सदस्य है। यह एडीबी का चौथा सबसे बड़ा शेयरधारक और 2010 से इसका शीर्ष उधारकर्ता है।

सेंसेक्स 733 अंक फिसला

निफ्टी भी 172 अंक लुढ़क कर 22,475.85 पर बंद हुआ

मुंबई (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को उतार-चढाव से भरे कारोबार में सेंसेक्स 700 अंक से अधिक गिरकर 74,000 के स्तर से नीचे आ गया जबकि निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसल गया। दूरसंचार, पूंजीगत उत्पाद और प्रौद्योगिकी कंपनियों में भारी बिकवाली होने से बाजार नुकसान में रहा। विश्लेषकों ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भारी बिकवाली का दबाव होने से भी सूचकांकों में गिरावट आई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स दिन की शुरुआत में 484.07 अंक चढ गया था। लेकिन उसके बाद यह 732.96 अंक यानी 0.98 प्रतिशत तक लुढकते हुए 73,878.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स दिन के कारोबार में 75,095.18 अंक के ऊपरी स्तर और 73,467.73 अंक के निचले स्तर पर भी आया। इस तरह एक दिन में ही 1,627.45 अंकों की भारी उठापटक देखी गई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 172.35 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिरकर 22,475.85 पर आ गया। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 146.5 अंक यानी 0.64 प्रतिशत बढकर 22,794.70 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन बाद में तगड़ी बिकवाली का शिकार हो गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, नेस्ले, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील में प्रमुख रूप से गिरावट दर्ज की गई।

दूसरी तरफ, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के शेयर बढ़त लेने में सफल रहे।

रिजर्व बैंक की तरफ से लगाई पाबंदी हटाए जाने के बाद बजाज फाइनेंस में करीब एक प्रतिशत की तेजी देखी गई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका में गैर-कृषि रोजगार आंकड़े आने से पहले मुनाफावसूली होने और कुछ हद तक सतर्क रुख अपनाने से बाजार में बिकवाली का दबाव रहा। हालांकि कच्चे तेल की कीमतें नरम होने के साथ चौथी तिमाही के नतीजों में कोई बड़ी नकारात्मक बात नहीं देखी गई है।' शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 964.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहा जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ। जापान और चीन के शेयर बाजारों में छुट्टियों के कारण कारोबार बंद रहा। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजार बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुआ था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड गिरकर 83.62 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

आरबीआई के फैसले के बाद बजाज फाइनेंस के शेयरों में आई तेजी

नई दिल्ली (भाषा)।

बजाज फाइनेंस के शेयरों में शुक्रवार को 7.50 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बजाज फाइनेंस पर ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के जरिए कर्ज की मंजूरी और वितरण पर लगी पाबंदी बृहस्पतिवार को हटाने के बाद कंपनी के शेयरों में उछाल आया है। बीएसई पर शेयर 7.54 प्रतिशत बढ़कर 7,400 रुपये पर और एनएसई पर 7.51 प्रतिशत चढ़कर 7,400 रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी का बाजार मूल्यांकन 23,008.1 करोड़ रुपये बढ़कर 4,49,205.63 करोड़ रु. हो गया। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल नवंबर में बजाज फाइनेंस को अपने दो कर्ज उत्पादों ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के तहत ऋण की मंजूरी और वितरण को रोकने का निर्देश दिया था। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा था, ''आरबीआई ने दो मई 2024 के अपने पत्र के माध्यम से कंपनी के उठाये गये सुधारात्मक कदमों के आधार पर ईकॉम और ऑनलाइन डिजिटल 'इंस्टा ईएमआई कार्ड' पर लगे प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटाने के अपने निर्णय के बारे में जानकारी दी।'' बजाज फाइनेंस ने कहा कि वह अब ईएमआई कार्ड जारी करने सहित दोनों व्यावसायिक क्षेत्रों में कर्ज की मंजूरी और वितरण फिर से शुरू करेगी।

सेबी ने ग्राहकों को डिजिटल तरीके से जुड़ने की प्रक्रिया आसान की

नई दिल्ली (भाषा)।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को पोर्टफोलियो प्रबंधकों के ग्राहकों के लिए डिजिटल रूप से जुड़ने की प्रक्रिया को आसान बनाया। इस कदम का उद्देश्य कारोबार सुगमता को बढ़ाना है।

पोर्टफोलियो प्रबंधकों को ग्राहकों को शामिल करते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि नए ग्राहक टाइप किए गए या इलेक्ट्रॉनिक रूप से लिखे गए नोट का इस्तेमाल करें। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन्होंने शुल्क संरचना को समझ लिया है न कि वर्तमान व्यवस्था जिसमें ग्राहक खुद से इस बारे में लिखकर देता है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि डिजिटल तरीके से जुड़ने को आसान बनाने के उद्देश्य से किया गया यह बदलाव एक अक्टूबर से प्रभावी होगा।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया जब सेबी ने समझौतों में शुल्क के अनुलग्नक पर हस्तलिखित नोट की आवश्यकता के अनुपालन में कुछ परिचालन संबंधी चुनौतियां पायी।

सेबी ने कहा, '' ग्राहक को जोड़ते समय पोर्टफोलियो प्रबंधक को यह सुनिश्चित करना होगा कि नए ग्राहक ने फीस तथा शुल्क के अनुलग्नक पर अलग से हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही यदि ग्राहक भौतिक माध्यम से शामिल हुआ है तो उसने फीस व शुल्क की संरचना को हस्तलिखित रूप में समझ लिया है। यदि ग्राहक डिजिटल माध्यम से शामिल हुआ है तो उसने कीबोर्ड का उपयोग करके टाइप किया है, या उंगलियों/स्टाइलस पेन का इस्तेमाल करके इलेक्ट्रॉनिक रूप से लिखा गया है।''

सेबी ने कहा कि पोर्टफोलियो प्रबंधकों को शुल्क गणना का विवरण देने वाला अनुलग्नक उपलब्ध कराना होगा। पोर्टफोलियो प्रबंधक-ग्राहक संबंध के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने में आसानी के लिए, सेबी ने पोर्टफोलियो प्रबंधक से अपने ग्राहक को 'सबसे महत्वपूर्ण नियम व शर्तें' दस्तावेज के रूप में भी उपलब्ध कराने को कहा है। इसकी ग्राहकों को विधिवत पुष्टि करना आवश्यक है।

सेबी ने बृहस्पतिवार को पीएमएस (पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज) वितरकों के लिए एपीएमआई के साथ पंजीकरण अनिवार्य बनाकर उनकी सामूहिक निगरानी को बढ़ावा देने का फैसला किया था।

समाज, राष्ट्र के भविष्य के बारे में सोचना शुरू कीजिए : चंद्रशेखरन

मुंबई (भाषा)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को आईआईटी-बंबई के स्नातक छात्रों से आग्रह किया कि वे समाज और राष्ट्र के भविष्य में योगदान के बारे में सोचना शुरू करें। उन्होंने यहां संस्थान में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए छात्रों को भरोसा कायम करने, चरित्र निर्माण और एक उद्देश्यपूर्ण करियर पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

चंद्रशेखरन ने कहा, ''यह सोचना चाहिए कि आप हमारे समाज और राष्ट्र के भविष्य में कैसे योगदान देंगे। ऐसा उद्देश्य आपके जीवन को समृद्ध करेगा और मैं आपको गारंटी देता हूं कि इससे आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी।'' उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - बंबई के छात्रों से कहा कि वे विभिन्न क्षेत्रों में बहुत बड़ा प्रभाव पैदा करेंगे। उनमें से कुछ उद्यमी बनेंगे, कुछ शिक्षा क्षेत्र में जाएंगे या शोधकर्ता के रूप में विज्ञान का अध्ययन करेंगे या उनमें से कुछ नोबेल पुरस्कार विजेता भी बन सकते हैं।

चंद्रशेखरन ने टाटा समूह का जिक्र करते हुए कहा कि समूह में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी धर्मार्थ ट्रस्टों के पास है और इसलिए समाज सेवा का उद्देश्य बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि समूह की कंपनियों से होने वाले लाभ का उपयोग कैंसर अस्पताल, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च या टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज बनाने के लिए किया गया है। चंद्रशेखरन ने कहा कि लोगों ने टाटा समूह को 150 से अधिक वर्षों से काम करते देखा है और इसीलिए समूह ने लगातार अपने आचरण से भरोसा कायम किया है।

एमआरएफ को चौथी तिमाही में 396 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली (भाषा)।

टायर बनाने वाली कंपनी एमआरएफ का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़कर 396 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में शुद्ध लाभ 341 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 6,349 करोड़ रुपये हो गई जबकि 2022-23 में यह 5,842 करोड़ रुपये थी।

टायर विनिर्माता ने शुक्रवार को कहा कि 31 मार्च 2024 को समाप्त पूरे वित्त वर्ष का शुद्ध लाभ 2,081 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 769 करोड़ रुपये था।

वित्त वर्ष 2023-24 में परिचालन आय बढ़कर 25,169 करोड़ रुपये हो गई, जबकि 2022-23 में यह 23,008 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने 10 रुपये अंकित मूल्य के शेयर पर प्रति इक्विटी 1,941 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

रुपया तीन पैसे बढ़कर 83.43 प्रति डॉलर पर

मुंबई (भाषा)।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर होने के कारण शुक्रवार को रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे के सुधार के साथ 83.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की धननिकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढत को सीमित कर दिया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.40 प्रति डॉलर पर खुला। दिन में कारोबार के दौरान यह 83.34 और 83.44 प्रति डॉलर के दायरे में घटबढ़ के बाद अंत में 83.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ था जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की तेजी को दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 83.46 पर बंद हुआ था।

शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि कमजोर डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण रुपये में तेजी आई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने लगातार छठी बार प्रमुख ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया, जिसके कारण डॉलर कमजोर हुआ।

चौधरी ने आगे कहा कि कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली के दबाव के कारण रुपये में थोड़ा नकारात्मक रुख रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'आज अमेरिका से गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट और आईएसएम सेवाओं के पीएमआई डेटा से पहले व्यापारी सतर्क रह सकते हैं। गैर-कृषि पेरोल को बढ़ावा देने से डॉलर को सहारा मिल सकता है, जबकि निराशाजनक आंकड़ों से डॉलर पर दबाव पड़ सकता है। डॉलर-रुपया हाजिर कीमत 83.20 रुपये से 83.60 रुपये के बीच कारोबार करने की उम्मीद है।' इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.07 पर था।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 637.92 अरब डॉलर पर

मुंबई (भाषा)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.41 अरब डॉलर घटकर 637.92 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.28 अरब डॉलर घटकर 640.33 अरब डॉलर रहा था। यह कई सप्ताह की तेजी के बाद पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इससे पहले, सितंबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 642.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.16 अरब डॉलर घटकर 559.70 अरब डॉलर रही।

अडाणी समूह की सात कंपनियों को सेबी का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली (भाषा)।

अडाणी समूह की दस सूचीबद्ध कंपनियों में से सात को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से संबंधित पक्षों के बीच लेनदेन के कथित उल्लंघन और सूचीबद्धता नियमों का अनुपालन नहीं करने के लिए कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनियों ने शेयर बाजारों को इस नोटिस के बारे में सूचना दी है।

बाजार नियामक सेबी का नोटिस पाने वाली कंपनियों में अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के साथ अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडाणी पावर, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी टोटल गैस और अडाणी विल्मर शामिल हैं।

इन कंपनियों ने जनवरी-मार्च तिमाही और वित्त वर्ष 2023-24 के अपने-अपने वित्तीय परिणामों से संबंधित टिप्पणियों में सेबी की तरफ से जारी नोटिस का खुलासा किया है। सभी कंपनियों ने कमोबेश एक ही तरह के

इन कंपनियों को मिला नोटिस

■ अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडाणी पावर, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी टोटल गैस और अडाणी विल्मर

बयानों में कहा कि लागू कानूनों और विनियमों का कोई भी गैर-अनुपालन का कोई भी ठोस मामला नहीं है और उन पर इसका कोई कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हालांकि, अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी टोटल गैस और अडाणी विल्मर के अलावा बाकी चार कंपनियों के ऑडिटरों ने वित्तीय विवरणों पर एक पात्र विचार रखते हुए कहा है कि सेबी की जांच के परिणामों का भविष्य में उनके वित्तीय विवरणों पर असर पड़ सकता है। वहीं समूह की सीमेंट कंपनियों- अंबुजा सीमेंट और एसीसी ने इस संबंध में सेबी से कोई भी नोटिस न आने की बात कही है। समूह की मीडिया कंपनी एनडीटीवी ने सेबी का नोटिस मिलने के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। अडाणी समूह की दस सूचीबद्ध कंपनियों में से सात को सेबी का नोटिस उस जांच का हिस्सा है, जो अमेरिकी 'शॉर्ट सेलर' और वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा जनवरी, 2023 में समूह के खिलाफ जारी रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ था। इस रिपोर्ट में अडाणी समूह पर कंपनियों के शेयरों के भाव में हेराफेरी और कॉरपोरेट धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे।

सेबी का कारण बताओ नोटिस किसी कंपनी के खिलाफ अभियोग नहीं है। दरअसल इसमें कंपनियों से संबंधित मामले में स्पष्टीकरण मांगा जाता है कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

देश के खनन क्षेत्र में बीते वित्त वर्ष 7.5 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली (भाषा)। देश के खनन क्षेत्र में बीते वित्त वर्ष में 7.5 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। इस दौरान लौह अयस्क और चूना पत्थर के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मार्च में खनिज उत्पादन सूचकांक सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत बढ़कर 156.1 रहा।। लौह अयस्क का उत्पादन 2023-24 में 7.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ 27.7 करोड़ टन था, जो 2022-23 में 25.8 करोड़ टन था।

बयान के अनुसार, ''चूना पत्थर का उत्पादन भी वित्त वर्ष 2022-23 के 40.65 करोड़ टन के उत्पादन आंकड़े को पार कर लिया। यह वित्त वर्ष 2023-24 में 10.7 प्रतिशत बढकर 45 करोड़ टन रहा।'' लौह अयस्क और चूना पत्थर की उत्पादन वृद्धि इस्पात और सीमेंट जैसे संबंधित उद्योगों में मजबूत मांग दिखाती है। अलौह धातु क्षेत्र में प्राथमिक एल्यूमीनियम का उत्पादन 2023-24 के दौरान बढ़कर 41.59 लाख टन हो गया। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एल्यूमीनियम उत्पादक, तीसरा सबसे बड़ा चूना उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है।

कोयला, गैस पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ी

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में कोयला और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता वित्त वर्ष 2023-24 में 2.44 प्रतिशत बढकर 243.22 गीगावाट हो गई, जो मार्च 2023 में 237.27 गीगावाट थी। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हरित ऊर्जा स्रोतों (गैर-जीवाश्म ईंधन) पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता पिछले वित्त वर्ष में 10.79 प्रतिशत बढकर 190.57 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) हो गई जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 172.01 गीगावाट थी।

जीवाश्म ईंधन पर आधारित बिजली घरों में ईंधन के रूप में कोयला, लिग्नाइट, गैस और डीजल का उपयोग किया जाता है। जबकि गैर-जीवाश्म ईंधन में सौर, पवन और जल विद्युत से उत्पन्न बिजली शामिल है। पिछले वित्त वर्ष में परमाणु ऊर्जा क्षमता वृद्धि 6.78 गीगावाट से बढकर 8.18 गीगावाट हो गई, जो सालाना आधार पर 20.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की कुल बिजली उत्पादन क्षमता एक साल पहले के 416.06 गीगावाट से 6.22 प्रतिशत बढकर 441.97 गीगावाट हो गई।

इस दौरान कोयला आधारित क्षमता 205.24 गीगावाट से लगभग तीन प्रतिशत बढकर 210.97 गीगावाट हो गई जबकि गैस-आधारित उत्पादन क्षमता वित्त वर्ष 2022-23 के 24.82 गीगावाट से मामूली बढकर 25.04 गीगावाट हो गई। वित्त वर्ष 2023-24 में लिग्नाइट और डीजल पर आधारित क्षमता क्रमशः 6.62 गीगावाट और 0.59 गीगावाट रही। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की क्षमता बढ़कर 143.64 गीगावाट हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 के 125.16 गीगावाट से 14.76 प्रतिशत अधिक है। जलविद्युत क्षमता भी इस दौरान 46.85 गीगावाट से बढ़कर 46.93 गीगावाट हो गई।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	10	8	2	16
कोलकाता	10	7	3	14
लखनऊ	10	6	4	12
हैदराबाद	10	6	4	12
चेन्नई	10	5	5	10
दिल्ली	11	5	6	10
पंजाब	10	4	6	8
गुजरात	10	4	6	8
मुंबई	11	3	8	6
बैंगलोर	10	3	7	6

ऑरेंज कैप

ऋतुराज गायकवाड़
509 रन
चेन्नई

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
17 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1576 चौके

918 छक्के

भारत ने टेस्ट में गंवाया नंबर-1 का ताज, वनडे-टी20 में बादशाहत बरकरार

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत शुक्रवार को जारी ताजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की सालाना रैंकिंग अपडेट में पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गया। पांच दिवसीय प्रारूप में भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन आस्ट्रेलिया को शीर्ष स्थान गंवा दिया। भारतीय टीम में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

सालाना अपडेट में 2020-21 सत्र के नतीजे हटा दिए गए हैं और इसमें मई 2021 के बाद पूरी हुई सभी श्रृंखलाएं शामिल हैं। भारत (120 अंक) टेस्ट रैंकिंग में आस्ट्रेलिया (124) से महज चार अंक पीछे है और तीसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड से 15 अंक आगे है। दक्षिण अफ्रीका (103 अंक) 100 अंक से ऊपर हासिल करने वाली चौथी टीम है।

पिछले साल तीनों फार्मेट में शीर्ष पर थी भारतीय टीम

भारतीय टीम पिछले साल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 टीम बनने में कामयाब रही। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था, जब टीम तीनों ही फॉर्मेट में नंबर-1 पर काबिज हो। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज के दौरान तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनी थी। भारत ऐसी दूसरी टीम रही जिसने एक ही समय में तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 का तमगा हासिल किया। इससे पहले साउथ अफ्रीकी टीम ही ऐसा कर पाई थी। साउथ अफ्रीका ने 28 अगस्त 2012 को यह उपलब्धि हासिल की थी।

नौ टीम रैंकिंग में शामिल

भारत मुख्यत : 2020-21 में आस्ट्रेलिया में मिली 2-1 की जीत के रैंकिंग के हटाए जाने से दूसरे स्थान पर खिसका। तीसरे से नौवें स्थान की रैंकिंग वाली टीम का क्रम समान है। अब केवल नौ टीम ही रैंकिंग में शामिल हैं क्योंकि अफगानिस्तान और आयरलैंड रैंकिंग में शामिल होने के लिए जरूरी टेस्ट नहीं खेलते हैं जबकि जिम्बब्वे ने पिछले तीन वर्षों में केवल तीन टेस्ट खेले हैं। एक टीम को रैंकिंग तालिका में शामिल होने के लिए तीन साल में न्यूनतम आठ टेस्ट खेलने होते हैं।

वनडे में भारत के 122 अंक

सालना अपडेट के बाद भारत हालांकि वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। इससे मई 2023 से पहले पूरे हुए मैच के 50 प्रतिशत और इसके बाद के मैच के शत प्रतिशत अंक शामिल हैं। भारत भले ही आस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप फाइनल हार गया हो लेकिन उसने उस पर बढ़त तीन से बढ़ाकर छह अंक की कर ली है। भारत के 122 अंक हैं। शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तीसरे स्थान पर काबिज दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया से अंतर कम किया है जो आठ से अब चार अंक का रह गया है। श्रीलंका पांचवें स्थान पर काबिज इंग्लैंड से महज दो अंक पीछे है।

टेस्ट टीम रैंकिंग

रैंक	देश	मैच	अंक
1	ऑस्ट्रेलिया	30	124
2	भारत	26	120
3	इंग्लैंड	30	105
4	द.अफ्रीका	18	103
5	न्यूजीलैंड	22	96

वनडे टीम रैंकिंग

रैंक	देश	मैच	अंक
1	भारत	42	122
2	ऑस्ट्रेलिया	34	116
3	द.अफ्रीका	30	112
4	पाकिस्तान	26	106
5	न्यूजीलैंड	33	101

टी20 टीम रैंकिंग

रैंक	देश	मैच	अंक
1	भारत	47	264
2	ऑस्ट्रेलिया	33	257
3	इंग्लैंड	30	252
4	द.अफ्रीका	23	250
5	न्यूजीलैंड	45	250

खबर संक्षेप

मेरा काम 13वें-14वें ओवर तक टिकना है

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मध्यक्रम को मजबूती देने की भूमिका बखूबी निभा रहे युवा नीतिश रेड्डी को भविष्य में भारतीय टीम के हरफनमौला के रूप में देखा जा रहा है चूंकि वह उपयोगी मध्यम तेज गेंदबाज भी हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में पारी की शुरुआत करते हुए रेड्डी ने नाबाद 76 रन बनाए। नीतिश ने कहा, 'पिछले दो मैचों में जल्दी विकेट गिरने के कारण मुझे उतरना पड़ रहा था। मेरा काम 13वें 14वें ओवर तक टिकना है ताकि बाद में क्लासेन आक्रामक खेल सके। समद और क्लासेन को जल्दी उतारने का कोई मतलब नहीं अगर वे खुलकर नहीं खेल सकें।'

अल्काराज चोट के कारण इटैलियन ओपन से हटे

रोम। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को दायें हाथ में चोट के कारण इटैलिन ओपन से हटने की घोषणा की। इस चोट के कारण उन्हें मोंटे कार्लो और बार्सिलोना ओपन से भी हटने के लिए बाध्य होना पड़ा। दो दिन पहले उनकी लगातार तीसरा मैड्रिड ओपन खिताब जीतने की उम्मीद क्वार्टरफाइनल में आंद्रे रूबलेव से मिली तीन सेट की हार के बाद टूट गई थी। अल्काराज ने अपने सोशल मीडिया चैनल पर लिखा, ''मैड्रिड में खेलने के बाद मुझे अपने हाथ में थोड़ा दर्द महसूस हुआ। जांच के बाद चोट का पता चला। दुर्भाग्य से इसके कारण मैं रोम में नहीं खेल पाऊंगा।'

कोहली से पारी का आगाज कराएं रोहित

नई दिल्ली। पूर्व हरफनमौला अजय जडेजा का मानना है कि अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर उतरकर विराट कोहली से पारी का आगाज कराना चाहिए।

जडेजा ने जियो सिनेमा से कहा, 'विराट कोहली को पारी का आगाज करना चाहिए। रोहित को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिए। उसे थोड़ा समय मिल जाएगा क्योंकि बतौर कप्तान उसके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। विराट के टीम में होने से निरंतरता मिलेगी। वह शीर्षक्रम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है और पावरप्ले में उसे जमने का मौका मिलेगा।'

टोटेनहम की चार दिन में दूसरी हार

लंदन। चेल्सी के हाथों 2-0 से मिली हार के साथ टोटेनहम की चैंपियंस लीग फुटबॉल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा। प्रीमियर लीग में टोटेनहम की यह चार दिन में दूसरी हार थी। उसे आर्सनल ने रविवार को 3-2 से हराया था। इंग्लैंड को अगले सत्र में चैंपियंस लीग में चार ही कोटा स्थान मिलेंगे। टोटेनहम तालिका में पांचवें स्थान पर है और चौथे स्थान पर काबिज एस्टोन विला उससे सात अंक आगे है।

आईपीएल : पांच बार की चैंपियन को 11वें मैच में मिली 8वीं हार

केकेआर ने कम स्कोर वाले मैच में मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 के कम स्कोर वाले मैच में शुक्रवार को यहां मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराया। नुवान तुषारा (तीन विकेट) और जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) की अगुवाई में अच्छी गेंदबाजी से मुंबई ने केकेआर की पारी को 19.5 ओवर में 169 रन पर रोक दिया था लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई।

केकेआर के लिए मिचेल स्टार्क ने चार जबकि वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण और आंद्रे रसेल ने दो-दो विकेट लिए। नारायण और चक्रवर्ती काफी किफायती साबित हुए दोनों अपने चार-चार ओवर के कोटे में एक समान 22 रन दिए और बीच के ओवरों में मुंबई पर दबाव बना दिया। स्टार्क ने 19वें ओवर में तीन विकेट लेकर केकेआर को 10 मैचों में सातवीं जीत दिलाकर टीम को प्लेऑफ के नजदीक पहुंचा दिया। मुंबई इंडियंस 11 मैचों में आठवें हार के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है।

बुमराह का अनोखा अर्धशतक

केकेआर के खिलाफ जसप्रीत बुमराह ने 3.5 ओवर के स्पेल में सिर्फ 18 रन खर्च करते हुए तीन विकेट चटकाए। बुमराह ने वानखेड़े के मैदान पर 50 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। बुमराह एक मैदान पर 50 से इससे ज्यादा विकेट चटकाने वाले महज 5वें गेंदबाज हैं। बुमराह से पहले यह कारनामा सुनील नरेन, लसिथ मलिंगा, अमित मिश्रा और युजवेंद्र चहल कर चुके हैं। ईडन गार्डन्स के मैदान पर नरेन 69 विकेट के साथ इस लिस्ट में टॉप पर हैं।

वेंकटेश बने मैच के हीरो

केकेआर का 57 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच वेंकटेश अय्यर (70 रन) और इंपैक्ट प्लेयर मनीष पांडे (42) ने छठे विकेट के लिए 62 गेंद में 83 रन की साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी कराई। वेंकटेश ने 52 गेंद की पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए जबकि पांडे ने 31 गेंद दो चौके और दो छक्के जड़े।

सूर्यकुमार की फिफ्टी

मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव ने 35 गेंद में छह चौके और दो छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा सातवें विकेट के लिए टिम डेविड (24) के साथ 26 गेंद में 49 रन की साझेदारी की। इन दोनों के अलावा मुंबई का कोई भी बल्लेबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का तिलक वो तुषारा	05	03	1	0
सुनील नारायण बो हार्दिक	08	08	0	1
रघुवंशी का सूर्यकुमार बो तुषारा	13	06	0	2
श्रेयस का डेविड वो तुषारा	06	04	1	0
वेंकटेश अय्यर बो बुमराह	70	52	6	3
रिंकू सिंह का एवं बो पांचला	09	08	2	0
मनीष का स्वा. ब्रेविस बो हार्दिक	42	31	2	2
आंद्रे रसेल रन आउट	07	02	0	1
रमनदीप का कोएत्जी बो बुमराह	02	04	0	0
मिचेल स्टार्क बो बुमराह	00	02	0	0
वैभव अरोड़ा नाबाद	00	00	0	0
अतिरिक्त : 07, कुल : 19.5 ओवर में 169/10				
गेंदबाजी : तुषारा 4-0-42-3, बुमराह 3.5-0-18-3, कोएत्जी 2-0-24-0, हार्दिक 4-0-44-2, नबम3-0-25-0, पांचला 3-0-15-1.				
मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
इशान किशन बो स्टार्क	13	07	1	1
रोहित का पांडे बो नारायण	11	12	0	1
नमन धीर बो चक्रवर्ती	11	11	2	0
सूर्यकुमार का सॉल्ट बो रसेल	56	35	6	2
तिलक का नारायण बो चक्रवर्ती	04	06	0	0
नेहाल वढेरा बो नारायण	06	11	1	0
हार्दिक पंड्या का पांडे बो रसेल	01	03	0	0
टिम डेविड का श्रेयस बो स्टार्क	24	20	1	1
जेराल्ड कोएत्जी बो स्टार्क	08	07	0	1
पांचला का नारायण बो स्टार्क	00	01	0	0
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01	01	0	0
अतिरिक्त : 10, कुल : 18.5 ओवर में 145/10				
गेंदबाजी : अरोड़ा 3-0-35-2, स्टार्क 3.5-0-33-4, चक्रवर्ती 4-0-22-2, नारायण 4-0-22-2, रसेल 4-0-30-2.				

खास खबर

एक दूसरे के प्रेरणास्रोत होंगे शुभंकर-गगनजीत

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुटे शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर को उम्मीद है कि खेलों के सबसे बड़े महासमर में गोल्फ के पदार्पण पर वे एक दूसरे का दबाव और तनाव कम करने में सहायक साबित होंगे। शर्मा और भुल्लर अंतरराष्ट्रीय गोल्फ रैंकिंग में क्रमशः 47वें और 52वें स्थान पर हैं और एक अगस्त से शुरू हो रही ओलंपिक गोल्फ स्पर्धा के लिए शीर्ष 60 में होने की वजह से क्वालीफाई कर लेंगे। ये दोनों खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना में शामिल हैं। खीजिंग में वोल्वो चाइना ओपन खेल रहे शर्मा ने कहा, 'टॉप्स भारत सरकार की बेहतरीन पहल है जिससे योग्य खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर खेलने का मौका मिलता है। गगन एक चैंपियन गोल्फर है और मैं उसका काफी सम्मान करता हूं। उसमें जीत की ललक है और हम एक दूसरे के मददगार साबित होकर पेरिस में भारत का परचम लहराएंगे।'

स्वियाटेक ने फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड। इगा स्वियाटेक ने मेडिसन कीस को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना एरिना सबालेंका से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियाटेक ने कीस को 6-1, 6-3 से मात दी। अब वह सबालेंका से खेलेंगी जिन्होंने चौथी रैंकिंग वाली एलेना रिबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6 से हराया है। पुरुष वर्ग में दानिल मेदवेदेव 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका से पहला सेट 4-6 से हारने के बाद क्वार्टर फाइनल मैच से रिटायर हो गए। उन्हें दाहिने पैर में चोट लगी थी और उपचार भी लेना पड़ा। लेहेका का सामना अब 35वीं रैंकिंग वाले फेलिक्स आगर एलियासिमे से होगा।

श्रीनाथ, मेनन और मदनगोपाल होंगे टी20 विश्व कप के लिए मैच अधिकारी

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंपायर नितिन मेनन और जयरमन मदनगोपाल के साथ आईसीसी मैच रैफरी जवागल श्रीनाथ अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने शुक्रवार को अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के पहले दौर के लिए 26 मैच अधिकारियों की सूची की घोषणा की। इसमें 20 अंपायर नौ स्थलों पर 55 मैच में अंपायरिंग करेंगे जिसमें आईसीसी के मशहूर अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ, कुमार धर्मसेना, क्रिस गाफाने और पॉल रीफेल शामिल हैं। मदनगोपाल के अलावा सैम नोगाजस्की, अलाहुद्दीन पालेकर, राशिद रियाज और आसिफ याकूब भी अपना आईसीसी सीनियर पुरुष टूर्नामेंट पदार्पण करेंगे। छह रैफरियों में श्रीनाथ के अलावा रंजन मदुगले, जेफ क्रो और एंड्रयू पायक्रोफ्ट भी शामिल होंगे।

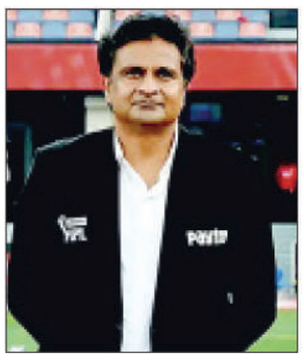

अंपायर

क्रिस ब्राउन, कुमार धर्मसेना, क्रिस गाफाने, माइकल गॉ, एड्रियन होल्डस्टोक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, अलाहुद्दीन पालेकर, रिचर्ड केटलबोरो, जयरमन मदनगोपाल, नितिन मेनन, सैम नोगाजस्की, अहसान रजा, राशिद रियाज, पॉल रिफेल, लैंगटन रूसेरे, शाहिद सैकत, रोडने टकर, एलेक्स व्हार्फ, जोएल विल्सन और आसिफ याकूब। **मैच रैफरी :** डेविड बून, जेफ क्रो, रंजन मदुगले, एंड्रयू पाइक्रोफ्ट, रिची रिचर्डसन और जवागल श्रीनाथ।

भारतीय महिला टीम करेगी द. अफ्रीका की मेजबानी

बेंगलुरु। भारत जून और जुलाई में एक टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका महिला टीम की मेजबानी करेगा। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बताया कि वनडे और टी20 मैच बेंगलुरु में खेले जाएंगे, जबकि टेस्ट मैच चेन्नई में खेला जाएगा। वनडे मैच 16 जून से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे, जबकि एकमात्र टेस्ट 28 जून से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुरू होगा। इसके बाद टीमें पांच, सात और नौ जुलाई को टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए बेंगलुरु लौटेंगी। इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की अहमियत इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि सितंबर-अक्टूबर में बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप खेला जाएगा।

अमेरिकी टी-20 विश्व कप टीम में सात भारतीय खिलाड़ी शामिल

एजेंसी ▶▶| डलास

दिल्ली के पूर्व बल्लेबाज और 2018-19 रणजी ट्रॉफी में शीर्ष रन बनाने वाले मिलिंद कुमार को एक जून से शुरू होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका की टीम में जगह मिली है।

वेस्टइंडीज के साथ इस आयोजन के सह-मेजबान अमेरिका ने गुजरात में जन्में मोनांक पटेल के नेतृत्व में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। दाएं हाथ के बल्लेबाज मिलिंद ने 2018-19 रणजी ट्रॉफी सत्र में सिक्किम का प्रतिनिधित्व करते हुए 1331 बनाए थे। वह बेहतर अवसरों की तलाश में अमेरिका चले गए थे। साल 2021 में अमेरिका में पदार्पण करने से पहले उन्होंने आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया है। मुंबई के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह को भी टीम में जगह मिली है। मुंबई में जन्मे 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 अंडर-19 विश्व कप के भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

अमेरिका की टीम

मोनांक पटेल (कप्तान और विकेटकीपर), आरोन जोन्स (उप-कप्तान), एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर और शायन जहांगीर।

15 सदस्यीय दल ओलंपिक कोटा के लिए देगा चुनौती

भारतीय धावकों से विश्व रिले में अच्छे नतीजे की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| नसाउ

भारत का 15 सदस्यीय मजबूत दल नसाउ में शनिवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय विश्व एथलेटिक्स रिले बहामास 24 में दमदार प्रदर्शन के साथ तीनों श्रेणियों में पेरिस ओलंपिक का कोटा सुनिश्चित करना चाहेगा।

भारतीय पुरुष चार गुणा 400 रिले टीम पिछले कुछ समय से सुर्खियां बटोर रही है। इस टीम ने टोक्यो ओलंपिक में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और इसके बाद पिछले अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में अमेरिका के खिलाड़ियों को चुनौती दी। टीम ने हांग्झोउ एशियाई खेलों में तीन मिनट 01:58 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पिछले साल के शानदार प्रदर्शन के बाद बुडापेस्ट में मुहम्मद अनस याहिया, अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल और राजेश रमेश की भारतीय चौकड़ी द्वारा बनाए गए 2:59.05 सेकंड के राष्ट्रीय और एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। यह हालांकि इतना आसान नहीं होगा क्योंकि इस चौकड़ी का मौजूदा सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन मिनट 05:71 सेकेंड रहा है। यह उनके हांगझोउ के प्रदर्शन से लगभग चार सेकेंड अधिक है। ओलंपिक के लिए विश्व रिले प्रारूप के अनुसार शनिवार को प्रत्येक हीट में से दो शीर्ष टीमें फाइनल में पहुंचने के साथ पेरिस का टिकट पक्का करेगी। भारत पुरुष, महिला और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर में टीमें उतरेगा। इसमें पुरुष चौकड़ी पिछले साल के प्रदर्शन के आधार पर पेरिस के लिए क्वालीफाई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है।

चार गुणा 400 मीटर रिले टीम

भारत ने आठ सदस्यीय पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम यहां भेजी है, जिसमें एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमोज जैकब, मुहम्मद अनस याहिया, मुहम्मद अजमल और राजेश रमेश की चौकड़ी शामिल है। टीम में 2018 जकार्ता एशियाई खेलों के मिश्रित रिले स्वर्ण पदक विजेता राजीव अरोकिया, नूह निर्मल टॉम, यशस पलाक्ष और अविनाश कृष्ण कुमार भी शामिल हैं। अमोज, अरोकिया, निर्मल और अनस की चौकड़ी ने भी टोक्यो ओलंपिक में भी भाग लिया था। उन्होंने तीन मिनट और 00:25 सेकेंड के समय के साथ सराहनीय प्रदर्शन किया था, लेकिन एशियाई रिकॉर्ड स्थापित करने और फाइनल में जगह बनाने से चूक गए थे।

इंग्लैंड, बांग्लादेश, अफ्रीका में टेस्ट खेलेगा पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶| लाहौर

पाकिस्तान अगस्त 2024 से जनवरी 2025 के बीच इंग्लैंड, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के तीसरे चक्र के तहत सात टेस्ट खेलेगा।

पाकिस्तान में इंग्लैंड की टीम दो और बांग्लादेश तीन टेस्ट खेलेगी। इसके बाद पाकिस्तानी टीम दक्षिण अफ्रीका में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट खेलेगी। पाकिस्तान ने अभी तक दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को बताया कि डरबन, सेंचुरियन और जोहानिसबर्ग में 10 से 14 दिसंबर के बीच टी20 मैच होंगे जबकि वनडे मैच 17 से 22 तक पार्ल, केपटाउन और जोहानिसबर्ग में खेले जाएंगे। टेस्ट मैच सेंचुरियन (26 से 30 दिसंबर) और केपटाउन (तीन से सात जनवरी) में खेले जाएंगे।

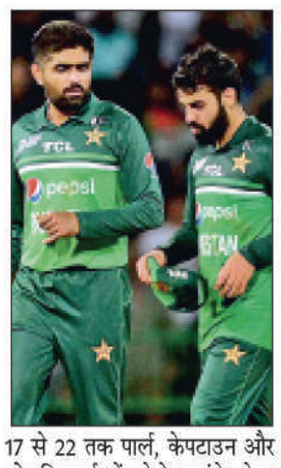

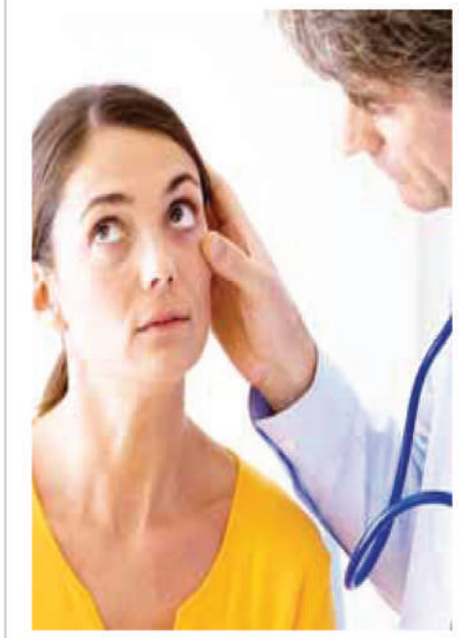

महिलाएं होती हैं इन बीमारियों का तेजी से शिकार

महिलायें अपने परिवार और बच्चों का खूब खयाल रखती हैं लेकिन जब बारी खुद की आती है तो वो लापरवाह हो जाती हैं। ऐसे में उनका शरीर कब धीरे-धीरे बीमारियों का घर बन जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसी बीमारियों के बारे में बताएंगे जिन्हें महिलाओं के लिए साइलेंट किलर कहा गया है।ये बीमारियां महिलाओं के शरीर में तेजी से बढ़ती चली जाती हैं, लेकिन इनके लक्षण दिखाई नहीं देते और अगर दिखते भी हैं तो इन्हें अक्सर सामान्य समस्या समझकर नजरअंदज कर दिया जाता है। चलिए आपको बताते हैं महिलाओं में कौन-कौन सी बीमारियां साइलेंट किलर होती हैं

इन बीमारियों का हो सकती हैं शिकार

खून की कमी- एनीमिया एक ऐसी बीमारी है जो महिलाओं में बहुत ज़्यादा होती है। इस बीमारी में खून की कमी होने एलगीटी है। इससे जूझ रही महिलाओं में त्वचा का पीला पड़ना, चक्कर आना, थकान, सांस फूलना, सिर घूमना, और दिल की धड़कन तेज हो जाती है। एनीमिया से बचने के लिए अपनी डाइट में आयरन, विटामिन C और फोलेट से भरपूर भोजन का सेवन करें।

पीसीओडी की शिकार- पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओडी) का शिकार इन दिनों ज़्यादार महिलायें हो रही हैं। महिलाओं में यह समस्या हार्मोनल इम्बैलेंस की वजह से होती है। इस बीमारी में महिलाओं का पीरियड साइकिल बिगड़ जाता है। मोटापा बढ़ने पर यह परेशानी ज़्यादा बढ़ जाती है। हेयर फॉल, स्किन पर पिम्पल्स और बढ़ता मोटापा इसके सामान्य लक्षण हैं।

मेनोपॉज में होती है परेशानी- महिलाओं में मेनोपॉज की शुरुआत 42 वर्ष के बाद शुरू होता है। यह उनकी ज़िंदगी का ऐसा पड़ाव होता है, जिससे हर महिला को सामना करना पड़ता है। मेनोपोज के दौरान महिलाओं के परियड्स बंद हो जाते हैं। मेनोपॉज की वजह से फीमेल हार्मोन एस्ट्रोजन काफी कम हो जाता है।

हड्डियों का कमजोर होना- जैसे-जैसे महिलाओं की उम्र बढ़ती है उनकी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए कैल्शियम और आयरन का सेवन करना चाहिए। धूप के साथ दूध, दही या पनीर कैल्शियम की कमी को पूरा करन के लिए बेहतरीन सोर्स माने जाते हैं।

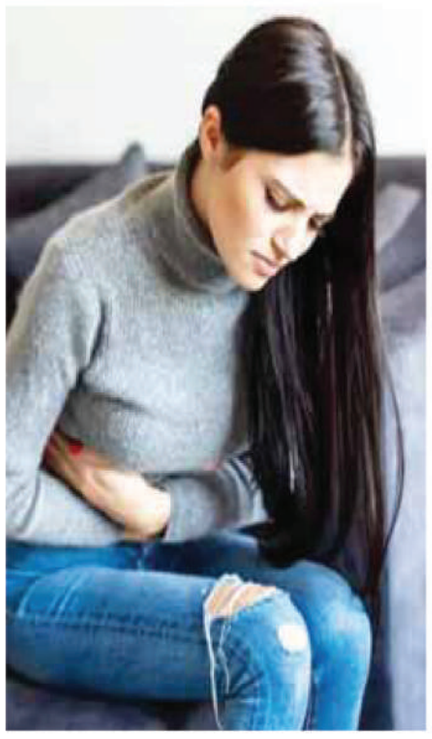

प्रकृति में बिताया गया समय मेंटल हेल्थ के लिए वरदान

हमारी भागदौड़ भरी की जिंदगी में हम अक्सर मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना भूल जाते हैं। काम के प्रेशर की वजह से कई बार तो हम समझ भी नहीं पाते कि हमारी मेंटल हेल्थ खराब हो रही है। इस कारण डिप्रेशन, एंग्जाइटी जैसे कई मेंटल डिसऑर्डर का सामना करना पड़ता है, लेकिन प्रकृति की गोद में सभी समस्याओं का समाधान है।

मेंटल हेल्थ को तंदुरुस्त रखने में नेचर बहुत अहम भूमिका निभा सकता है। प्रकृति में थोड़ा वक्त बिताने से आपकी मेंटल हेल्थ पर काफी सकरात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आपकी मेंटल हेल्थ को बेहतर करने के अलावा ये आपके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। आइए जानते हैं नेचर में वक्त बिताने के क्या फायदे हैं और किस तरह आप अपनी बिजी लाइफ स्टाइल में नेचर को शामिल कर सकतें हैं।

नेचर के फायदे

-डिप्रेशन और एंग्जाइटी से लड़ने में नेचर बहुत मददगार साबित हो सकता है।

-मेंटल थकावट कम हो सकती है। नेचर आपके माइंड को रिलेक्स करके आपकी दिमागी थकावट को दूर कर सकता है।

-प्रकृति में समय बिताने से अच्छी नींद आती है। इसका कारण ये है कि नेचर आपके माइंड को रिलेक्स करता है।

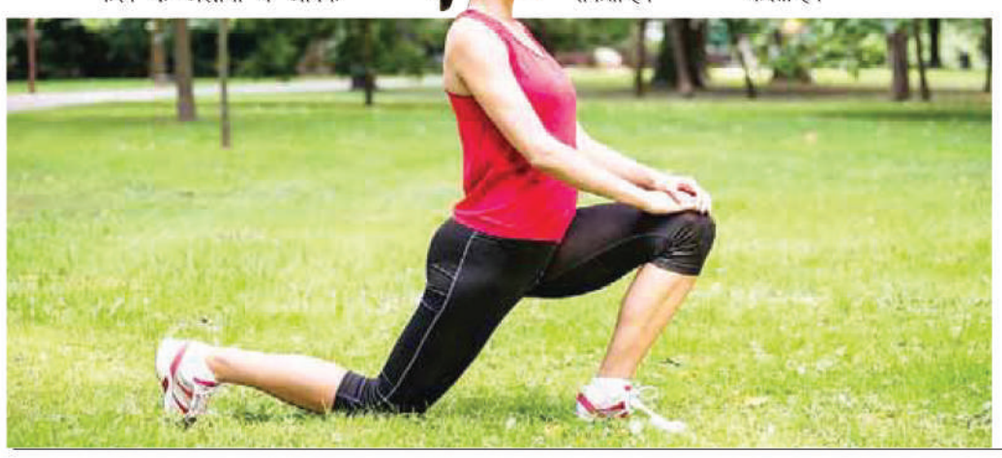

-आपके मूड को बेहतर बनाने में नेचर काफी कारगर साबित हो सकता है।

-नेचर इम्युनिटी बूस्ट करने में आपकी मदद कर सकता है।

कैसे लें नेचर का लाभ

खुली हवा में एक्सरसाइज

खुले वातावरण में एक्सरसाइज करना आपको न सिर्फ एक अच्छी लाइफस्टाइल के लिए प्रोत्साहित करता है, बल्कि व्यायाम आपकी मेंटल हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है। खुली हवा में वॉक या जॉगिंग आपको तरोताजा महसूस कराने में कारगर साबित हो सकता है। इसके अलावा आपकी इम्युनिटी बूस्ट करने में भी लाभदायक है।

सुबह के समय की धूप

सुबह की धूप में विटामिन-डी तो होता ही है, इसके साथ ही ये आपके मेंटल हेल्थ के लिए भी लाभदायक होता है। ये आपके माइंड को रिफेश करने में सहायता करता है और आपको नेचर से कनेक्ट करने में भी मदद करता है।

घर में लगाएं प्लांट्स

अपने घर और दफ्तर में इंडोर प्लांट लगा सकते हैं। इससे आपका घर या ऑफिस देखने में तो सुंदर लगता ही है, इसके अलावा आपको नेचर के पास रहने का भी अहसास होता है। यह आपका मूड लिफ्ट कर आपके हैप्पी हॉर्मोन को बढ़ाने में मदद करता है।

मधुमक्खी के काटने पर दर्द और सूजन से बचने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

मधुमक्खी के अलावा कोई भी कीट काट लें, तो बहुत समस्या आती है। अगर आपको मधुमक्खी काट लें, तो तेज दर्द होता है, क्योंकि इनके डंक में जहर पाया जाता है। हर किसी में इफेक्शन के अलावा कई चीजों का असर हर किसी में अलग-अलग असर नजर आते हैं। जहां डंक लगता है, वहां सूजन आती है। मधुमक्खियों के काटने के बाद कुछ घरेलू उपाय निम्नलिखित हैं-

नीम के पत्ते

नीम के पत्ते को पानी में पीसकर उसका पेस्ट बनाएं और इसे काटे हुए स्थान पर लगाएं। नीम के पत्तो के एंटीबैक्टीरियल गुण काटे हुए स्थान को साफ करने में हेल्प करते हैं।

लहसुन का पेस्ट

लहसुन को पीसकर उसका पेस्ट बनाएं और इसे काटे हुए स्थान पर लगाएं। लहसुन के एंटीबैक्टीरियल गुण मधुमक्खी के काटने से होने वाली संक्रमण को कम करते हैं।

एलोवेरा

एलोवेरा का जेल काटे हुए स्थान पर लगाएं। इसके जेल में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो काटे हुए स्थान को जल्दी ही आराम प्रदान करते हैं।

नमक और मिट्टी का पेस्ट

नमक और मिट्टी को मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे काटे हुए स्थान पर लगाएं। यह काटे हुए स्थान को ठंडा करने में मदद करता है और सूजन को कम कर सकता है।

ठंडा पानी

काटे हुए स्थान को ठंडे पानी से धोएं। ठंडा पानी काटने वाली सूजन को कम करता है और राहत प्रदान कर सकता है। अगर काटा हुआ स्थान ज्यादा दर्द और सूजा हुआ है, तो किसी डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा है।

चेहरे और गर्दन के फैट को कम करने के लिए करें ये योगासन

वेट बढ़ने के साथ ही लोगों को सबसे ज्यादा समस्या तब होती है, जब चेहरे और ठुड्डी पर फैट जमा होने लगता है। कई बार देखने में आता है कि वजन तो कम हो गया है, लेकिन चेहरे, ठुड्डी और गर्दन के आसपास जम फैट कम नहीं होता है। इससे चेहरा काफी खराब दिखने लगता है। चेहरे और गर्दन के फैट को कम करने के लिए कुछ योगासन आप रोजाना कर सकते हैं। इससे आपके चेहरे और गर्दन का फैट कम होने के साथ ही मांसपेशियां टोन होंगी और चेहरे पर ग्लो भी बढ़ेगा। डबल चिन होना या फिर चेहरे पर बहुत ज्यादा फैट बढ़ जाना कम उम्र में भी बूढ़ा दिखा सकता है। ग्लोइंग और टोन स्किन पाने के लिए अपने फिटनेस रूटीन में कुछ योगा पोज को भी शामिल करें। इससे आपकी स्किन के साथ ही पूरी सेहत को फायदा होता है।

भुजंगासन

रोजाना भुजंगासन करते हैं तो इससे आपकी रीढ़ और कंधों की हड्डियां मजबूत होने के साथ ही दिल और फेफड़ों को भी फायदा मिलता है। इसके अलावा भुजंगासन करने के दौरान जब चेहरे को आप ऊपर उठाते हैं तो गर्दन की मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग होती है, जिससे आपके गर्दन के हिस्से में बढ़ा हुआ फैट कम करने और डबल चिन को कम करने में हेल्प मिलती है।

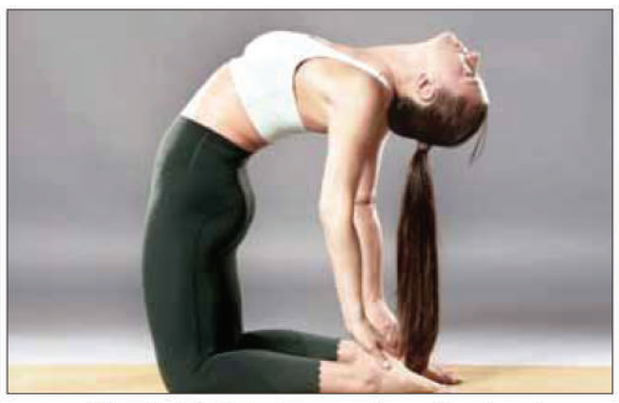

सिंह मुद्रा या सिंहासना योगा

इस योगासन में सबसे पहले वज्रासन (पैरों को घुटने से पीछे मोड़कर बैठना) में बैठकर दोनों पैरों में दूरी बनाएं और इतनी ही दूरी पर हाथों को जमीन पर खा जाता है। इसके बाद शेर की तरह दहाड़ने की तरह मुद्रा बनाएं।इस योगासन को रोजाना करने से आप चेहरे और गर्दन के एक्स्ट्रा फैट से छुटकारा पा सकते हैं।

उष्ट्रासन करने से मिलेगा फायदा

चेहरे और गर्दन के बढ़े हुए फैट को कम करने के लिए रोजाना आप उष्ट्रासन कर सकते हैं। इससे डबल चिन कम होने के साथ ही चेहरे का एक्स्ट्रा फैट कम करने में भी मदद मिलती है। इसके अलावा इस आसन से चेहरे की ओर ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा होता है, जिससे स्किन टाइट बनती है। इसके अलावा उष्ट्रासन करने से पाचन शक्ति में सुधार, पीठ के निचले हिस्से के दर्द से राहत, मासिक धर्म की समस्याएं में आराम जैसे कई फायदे भी होते हैं।

ये फेस योगा दिलाएंगे फायदा

चेहरे का फैट कम करने के लिए और टोन व ग्लोइंग स्किन पाने के लिए फिश पोज करना काफी फायदेमंद रहता है इसके अलावा बैलून पोज (मुंह में हवा भरकर छोड़ना) करना चाहिए। वहीं चेहरे और गर्दन पर उंगलियों की मदद से कुछ देर टैपिंग करने से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होगा जो आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाएगा।

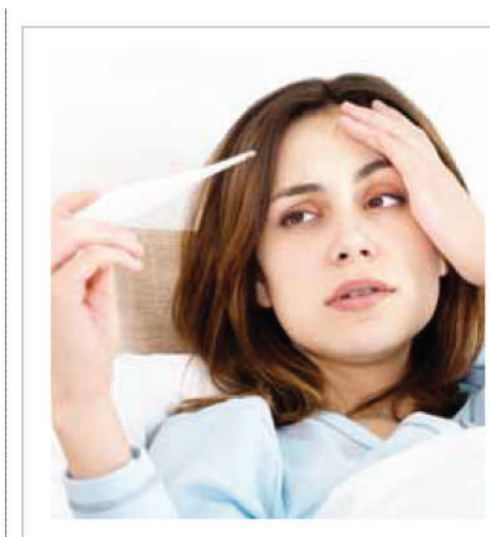

तेजी से बढ़ रहे डेंगू और चिकनगुनिया से ऐसे करें बचाव

मच्छर के काटने का दर्द भले ही कुछ सेकेंड के बाद खत्म हो जाता है, लेकिन इसके डंक से शरीर में पहुंचने वाले खतरनाक वायरस का असर आपको अंदर ही अंदर बीमार बना सकता है। इससे डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया जैसी बीमारियां हो सकती है। हालांकि सभी मच्छरों का काटना इतना खतरनाक नहीं होता है, पर बीमारियों के जोखिमों को कम करने के लिए जितना हो सके उतना मच्छरों से बचना जरूरी है। बता दें लगातार बदलते मौसम में डेंगू और चिकनगुनिया का खतरा बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी कर दी है। इसके तहत राज्य में मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम और बचाव और उपचार की उचित व्यवस्था को प्राथमिकता दिया जाना है।

डेंगू के इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

-अचानक तेज बुखार, -तेज सिरदर्द, -आंखों के पीछे दर्द, -जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, -मतली, -उल्टी, -ग्रंथियों में सूजन, -रैश जो बुखार शुरू होने के तीन से चार दिन बाद दिखाई देता है

ऐसे फैलता है चिकनगुनिया इंफेक्शन

हैल्थएक्स्पर्ट के अनुसार, चिकनगुनिया इंफेक्शन के सबसे आम लक्षणों में बुखार और जोड़ों में दर्द शामिल है। इसके अलावा चिकनगुनिया के मरीजों को सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों में सूजन या चकत्ते का अनुभव भी हो सकता है।

डेंगू की अपेक्षा चिकनगुनिया में सूजन और दर्द बहुत ज्यादा होता है। जहां चिकनगुनिया में हड्डियों में तेज दर्द होता है, वहीं डेंगू होने पर कई मामलों में ब्लीडिंग, सांस लेने में परेशानी शामिल होती है।

मच्छर से बचने के उपाय

घर से बाहर इंसेक्ट रेपलेंट्स लगाकर निकलें

लंबी बाजू के कपड़े पहनें

ज्यादा बाहर निकलने से बचें

घर के खिड़की दरवाजों को बंद

घर के आसपास जमा कचरे और पानी की सफाई करवाएं।

गर्मियों में रोज पीएं बेल का जूस, मिलेंगे कई फायदे

गर्मी का मौसम, ऐसा मौसम है जिसमें भूख कम और प्यास अधिक लगती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि तापमान बढ़ने की वजह से पसीना ज्यादा निकलता है और शरीर में पानी कम हो जाता है। इसकी वजह से हम सभी खूब पानी पीते है। पानी पीने के अलावा प्याज बुझाने के लिए हम ठंडा-ठंडा नींबू पानी, नारियल पानी, फ्रूट जूस, लस्सी और छांछ पीना भी पसंद करते हैं। ऐसे में शरीर को शरीर को ठंडा और गले को तर रखने के लिए बेल का जूस भी बेहतरीन विकल्प है।

गर्मियों में बेल का जूस पीना काफी फायदेमंद होता है। यह ठंडी तासीर का होता है, इसलिए शरीर को ठंडा रखने में और तेज धूप के दुष्प्रभावों से बचने के लिए विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, थायमिन और राइबोफ्लेविन जैसे अनेक पोषक तत्वों से भरपूर बेल का जूस अपनी डाइट में शामिल करना काफी फायदेमंद साबित होता है। इसे पीने से गर्मियों में लू लगने से बचा जा सकता है। आइए जानें बेल का जूस पीने से क्या फायदे मिल सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल

बेल के जूस में मौजूद फाइबर ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में सहायक होता है। इसलिए इसे पीने से ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ता है और डायबिटीज रोगियों के लिए काफी लाभदायक होता है। हालांकि, इसमें चीनी न मिलाकर पीने से यह सेहत के लिए और फायदेमंद होता है।

वेट लॉस में मददगार

हाई फाइबर से भरपूर बेल का जूस या फल दोनों ही वेट लॉस में मददगार साबित होते हैं। इसके सेवन से लम्बे समय तक भूख का एहसास नहीं होता और मीठे की क्रेविंग भी नही होती। साथ ही, तृप्ति की भावना आती है। इससे आप ओवर ईट नहीं करते और आसानी से वेट लॉस कर सकते हैं।

इम्यून सिस्टम मजबूत बनाता है

बेल विटामिन सी से भरपूर होता है, जो हमारे शरीर में इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने का काम करता है। इसलिए इसका डेली सेवन हमें बीमारियों और इन्फेक्शन से दूर रखता है।

7 से 14 मई तक होगा लोकसभा चुनाव के लिए पर्चा दाखिल, नाम वापसी 17 मई को

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोकसभा 75-गाजीपुर ,लोक सभा सामान्य निर्वाचन हेतु राजनैतिक पार्टियोंके लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने सम्बन्ध में जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में जनपद के विभन्न राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों संग बैठक रायफल क्लब सभागार मे सम्पन्न हुआ। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर सालिक राम, राजनैतिक दलो से राजन कुमार प्रजापति भाजपा, रविकान्त राय कांग्रेस, राजेश कुमार यादव सपा, आदित्य कुशवाहा ब0स0पा, नागेन्द्र शर्मा, जावेद अहमद आम आदमी पार्टी से मौजूद रहे।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 75-गाजीपुर ,लोक सभा सामान्य निर्वाचन हेतु लोक सभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र, उनकी संवीक्षा, नाम वापसी एवं चुनाव चिन्ह आवंटन का समस्त कार्य न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट, गाजीपुर (कमरा नं0-1) कलेक्ट्रेट, गाजीपुर में सम्पन्न होगा। उन्होने बताया कि बताया कि 75-गाजीपुर, लोक सभा सामान्य निर्वाचन हेतु दिनांक 07 मई 24 से 14 मई 24 तक पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक (लोक अवकाश दिन से भिन्न, अर्थात निगोशिएबल इन्स्ट्रमेन्ट एक्ट 1881 के अन्तर्गत घोषित सार्वजनिक अवकाश, जिसमें द्वितीय व चतुर्थ शनिवार सम्मिलित है), नाम निर्देशन पत्रों का जमा किया जायेगा। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा दिनांक 15 मई को पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य की समाप्ति तक किया जायेगा जबकि नाम वापसी का अन्तिम दिनांक 17 मई अपरान्ह 3.00 बजे तक तत्पश्चात चुनाव चिन्ह का आवंटन होगा जबकि मतदान का दिनांक 01 जून 2024 को होगा।

उन्होने अभ्यर्थियों के निर्वाचन लड़े जाने की दशा में अभ्यर्थियो द्वारा किन-किन बातो ध्यान रखना है उसकी विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थी की आयु 25 वर्ष होनी चाहिए। प्रत्याशी का नाम भारत वर्ष की किसी भी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में सम्मिलित होना चाहिए, अगर अभ्यर्थी ने अन्य विदेश राज्य या देश की नागरिकता अर्जित की है तो उसका नामांकन निरस्त हो जायेगा। नाम निर्देशन पत्र प्रारूप 2क मे प्रस्तुत किया जायेगा, एक अभ्यर्थी अधिकतम चार सेट में नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करेगे। नाम निर्देशन पत्र के साथ शपथ पत्र प्रारूप 26 संलग्न किया जायेगा। अभ्यर्थी को नो-ड्यूज से सम्बन्धित शपथ-पत्र विद्युत, पानी, टेलीफोन व सरकारी आवास के किराया से सम्बन्धित देना होगा, अभ्यर्थी द्वारा जमानत के रूप में अंकन रुपएं 25,000/- की धनराशि जमा करनी होगी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी द्वारा अंकन रुपए 12,500/- की धनराशि जमानत के रूप में जमा की जायेगी। यदि अभ्यर्थी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का है तो जाति प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलों अथवा अमान्यता प्राप्त पंजीकृत दल के अभ्यर्थी को पार्टी के अन्य द्वारा जारी फार्म ए एवं बी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नामांकन मे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीज दल के अभ्यर्थी हेतु 01 प्रस्तावक तथा अन्य अभ्यर्थी हेतु 10 प्रस्तावक होने अनिवार्य होगे। अभ्यर्थी द्वारा समस्त भुगतान हेतु एक अलग से बैक खाता खोला जायेगा जिसकी सूचना नामांकन के समय प्रस्तुत की जायेगी। उन्होने बताया कि निर्वाचन व्यय हेतु रुपए 95 लाख की धनराशि अधिकतम सीमा के रूप में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गयी है। नामांकन के दौरान अभ्यर्थी को सम्मिलित करते हुए कुल 05 व्यक्ति ही रिटर्निंग आफिसर के कार्यालय मे प्रवेश करेगे तथा 100 मीटर के परिधि मे किसी भी अभ्यर्थी का वाहन प्रवेश नही करेगा अभ्यर्थी पैदल ही नामांकन कक्ष तक जायेगे।

संविधान और आरक्षण बचाना ही हमारा लक्ष्य: डा. रागिनी सोनकर

प्रखर जौनपुर। मछली शहर विधायक डॉ. रागिनी सोनकर अपने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क कर रही हैं। उनके संपर्क करने का अंदाज ही अलग रहता है। इसी के बल पर वह लोगों के दिलों में जगह बना रही हैं। शुक्रवार को जौनपुर सदर और शनिवार को मछलीशहर के नदियांव, बड़ेरी, करौंदी, अमारा आदि क्षेत्रों में लगातार जाकर जनता से रूबरू हो रही हैं। वह सपा द्वारा सोनकर समाज को प्रदेश में एक भी टिकट न दिए जाने के कारण क्षेत्र में सोनकर समाज का आक्रोश झेलने के बाद लोगों को समझा-बुझा रही है कि इस मुद्दे पर शीर्ष नेतृत्व से बात करूंगी। अभी हमारा मकसद संविधान और आरक्षण बचाना है। खुद को टिकट नहीं मिलने के बाद भी क्षेत्र के सभी समारोह में भाग लेकर पार्टी

का प्रचार कर रही हैं। उन्होंने कहा सपा का इंडी गठबंधन सत्ता में आई तो सबसे पहले युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगीं। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा सदर और मछलीशहर की लोकसभा सीट जिताकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मंसूबे को पूरा करना है। विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि उनके क्षेत्र में विकास हो, साथ ही सभी वर्गों को समान अवसर मिले, इसके लिए वह तेज गर्मी और धूप में जनता के बीच हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं से कहा कि गुटबाजी को भूलकर वह प्रत्याशी का प्रचार करें। अपने ऊपर सोशल मीडिया पर गलतबयानी के आरोप से चिंतित होकर उन्होंने कहा कि मैं पार्टी और काम में विश्वास रखतीं हूं। जो लोग प्रायोजित हमले करा रहे हैं वह खुद पार्टी का नुकसान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कार्यकताओं के साथ जनसंपर्क और बैठकें कर रही हूं।

आलमाइटी इण्टरमीडिएट कॉलेज बंगला चौराहा ने किया मेधावियों का सम्मान

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा 2024 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं तथा उनके अभिभावकों को आलमाइटी इण्टरमीडिएट कॉलेज बंगला चौराहा ने सम्मानित किया। शिव कुमार यादव (90.83%), नीरज कुमार यादव (90.66%) स्नेहलता चौरसिया (89.66%), सूरज कुमार मौर्य (88.66%) तथा सूरज गुप्ता (87.33%) ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय तथा क्षेत्र का मान बढ़ाया।छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने उन्हें शील्ड व मेडल देकर तथा उनके अभिभावकों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।यू०पी०बोर्ड परीक्षा में सफलता का परचम लहराने वाले मेधावी छात्रों को बधाई देते

हुए विद्यालय के प्रबंधक महफूज आलम ने कहा की सफलता का कोई शार्ट कट नही होता।यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। यह विद्यालय के अनुशासन एवं शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस सम्मान समारोह का उद्देश्य विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र -छात्राओं को प्रोत्साहित कर उन्हें शिक्षा के प्रति आकर्षित करना है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्णानंद चौरसिया,उप प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद, अजीमुल्लाह, खान, बलिराज यादव, भगवानदास यादव, राजेन्द्र यादव , नागेन्द्र यादव, जुनेद खान ,जितेन्द्र प्रजापति ,कुलदीप चौरसिया, मीरा यादव, अफसरी बेगम संध्या गुप्ता,सरिता जायसवाल, आसमा खातून, मोहम्मद अशफाक सिद्दीकी, राममिलन विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

वरिष्ठ एवम दिव्यांग मतदाता 23 से 25 मई तक घर बैठें करेंगे मतदान, जिलाधिकारी ने की प्रेस वार्ता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन हेतु 75-गाजीपुर लोक सभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र, उनकी संवीक्षा, नाम वापसी एवं चुनाव चिन्ह आवंटन का समस्त कार्य न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट, गाजीपुर (कमरा नं0-1) कलेक्ट्रेट, गाजीपुर में सम्पन्न होगा। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने आज रायफल क्लब सभागार में जनपद के सम्मानित प्रिन्ट/इलेक्ट्रानिक मीडिया बन्धु के सम्मुख प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी दी। इस दौरान उपजिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर सालिक राम एवं जनपद के सम्मानित पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे। उन्होने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि 75-गाजीपुर, लोक सभा सामान्य निर्वाचन हेतु दिनांक 07 से 14 मई तक पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक लोक अवकाश दिन से भिन्न, अर्थात निगोशिएबल इन्स्ट्रमेन्ट एक्ट

1881 के अन्तर्गत घोषित सार्वजनिक अवकाश, जिसमें द्वितीय व चतुर्थ शनिवार सम्मिलित है, नाम निर्देशन पत्रों का जमा किया जायेगा। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा दिनांक 15 मई को पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य की समाप्ति तक किया जायेगा, नाम वापसी का अन्तिम दिनांक 17 मई अपरान्ह 3 बजे तक तत्पश्चात चुनाव चिन्ह आवंटन तथा मतदान का दिनांक 01 जून को होगा। प्रेसवार्ता मे उन्होने अभ्यर्थियों के निर्वाचन लड़े जाने की दशा में जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थी की आयु 25 वर्ष होनी चाहिए, एक अभ्यर्थी अधिकतम चार सेट में नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत कर सकता है, अभ्यर्थी को नो-ड्यूज से सम्बन्धित शपथ-पत्र विद्युत, पानी, टेलीफोन व सरकारी आवास के किराया से सम्बन्धित देना होगा, अभ्यर्थी द्वारा जमानत के रूप में अंकन रुपएं 25,000/- की धनराशि जमा करनी होगी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी द्वारा अंकन रुपए 12,500/- की धनराशि जमानत के रूप में जमा की जायेगी।

विकसित भारत एंबेसडर नारी शक्ति संवाद गुरुदेव के संग, विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम

प्रखर वाराणसी। 140 करोड़ भारतीयों ने दुनिया को दिखाया है कि जन-शक्ति द्वारा किया गया विकास क्या होता है हममें से हर कोई अपना योगदान देकर गौरवान्वित विकसित भारत का एंबेसडर बन सकता है` राष्ट्र-निर्माण, विकास और प्रगति की इस भावना को औपचारिक रूप देने के लिए प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम' का शुभारंभ किया है ये आंदोलन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का एक स्पष्ट आह्वान है कि सभी को इस जन-संचालित आंदोलन में शामिल होना चाहिए और 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने में सहायता करनी चाहिए।

कार्यक्रम की रूपरेखा - 4 मई 2024 को पवित्र शहर वाराणसी में विकसित भारत एंबेसडर नारी शक्ति संवाद गुरुदेव के सानिध्य में आयोजित किया गया था` सुबह 9.30 बजे शुरू हुए काशी विश्वनाथ मंदिर के त्र्यंबकेश्वर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शहर की 350 से अधिक प्रमुख महिला हस्तियों ने भाग लिया ` विकसित भारत एंबेसेडर के सम्मानित बैनर तले यह 35वां सफल आयोजन है यह कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था` इस कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक और 180 देशों में गहरा प्रभाव रखने वाले,विश्व स्तर पर

प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की श्रद्धेय उपस्थिति थी इसके प्रारंभ होने से पहले, गुरुदेव कार्यक्रम स्थल, काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे और ललिता घाट तक एक शांत नाव की सवारी का आनंद लिया और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से गुजरे इसके बाद, गुरुदेव ने शहर की महिलाओं की एक सभा को संबोधित किया जिसमें महिला नेतृत्व वाले विकास, महिला सशक्तिकरण, आध्यात्मिकता, व्यवसायिक और घरेलू जिम्मेदारियों के बीच नाजुक संतुलन पर चर्चा की उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नारी शक्ति को सशक्त बनाने में वर्तमान सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। 2047 तक भारत की विकसित भारत की यात्रा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण और स्टार्टअप उद्यमों से लेकर खेल तक विभिन्न क्षेत्रों में नारी शक्ति के व्यापक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला इसके अतिरिक्त, गुरुदेव ने काशी विश्वनाथ मंदिर और उसके कॉरिडोर के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना की जो न केवल इसकी सांस्कृतिक भव्यता को दशार्ता है बल्कि आधुनिक सुविधाएं प्रदान करके इसे भक्तों के लिए एक यादगार और अतुलनीय अनुभव बनाता है। वरिष्ठ वकील और टीम विकसित भारत एंबेसडर के मुख्य सदस्य हितेश जैन ने सभा में विकसित भारत एंबेसडर पहल की शुरूआत की और सभी से इस परिवर्तनकारी यात्रा में सहयोग करने का आग्रह किया।

2009 के लोकसभा चुनाव में पूर्वांचल में बीजेपी ने सिर्फ दो पर दर्ज की थी जीत, चार पर जमानत हुई थी जब्त

प्रखर वाराणसी । भाजपा ने मोदी के नेतृत्व में 2014 के लोकसभा चुनाव में अच्छे दिन आएंगे का नारा देकर मैदान में उतरी थी। और पूर्वांचल की आजमगढ़ सीट छोड़कर सभी सीटों पर अपना परचम लहराया था। लेकिन अगर 2014 के पहले की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी आजमगढ़ और वाराणसी छोड़कर पूर्वांचल

भदोही, गाजीपुर, चंदौली व घोसी में बीजेपी की हो गई थी जमानत जब्त

की सभी सीटों पर (फूलपुर छोड़कर) तीसरे, चौथे व पांचवें पर रह गई थी। लेकिन इस बार परिस्थितियों व स्थितियां अलग है। देखना यह है कि 2024 के चुनाव में क्या बदलाव होगा। पूर्वांचल फिर से भारतीय जनता पार्टी का साथ देता है या फिर 2014 के पहले की स्थिति होती है। लेकिन मौजूद स्थिति साफ तौर पर भाजपा के खेमे में जाती हुई दिख रही है। वहीं 2009 के लोकसभा चुनाव में लोकसभा की पुर्वांचल की इन 13 सीटों में से सिर्फ वाराणसी और

आजमगढ़ लोकसभा में सांसद डॉ . मुरली मनोहर जोशी (भाजपा) और का रमाकांत यादव ने जीत दर्ज कर पाए थे भदोही, गाजीपुर, चंदौली व घोसी इन सीटों पर भाजपा की जमानत तक जब्त हो गई थी। इनमें से सिर्फ लालगंज सीट पर भाजपा दूसरे स्थान पर रही। अधिकतर सीटों पर तीसरे नंबर पर व कुछ पर चौथे व पांचवें नंबर पर पहुंची थी। बतादे कि भदोही से बसपा के गोरखनाथ पांडेय ने जीत दर्ज किया था । उन्हें 1,95,808 वोट मिले और पांचवें नंबर पर रहे भाजपा के डॉ . महेंद्रनाथ पांडेय को 57,672 वोट मिले थे। गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के राधे मोहन सिंह ने जीत हासिल की थी । उन्हें 3,79,233 वोट मिले थे और भाजपा के प्रभुनाथ 21,679 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर रहे थे । उन्हें कुल मतदान के सिर्फ 1.42 फीसदी ही वोट मिले थे । चंदौली से सपा के रामकिशुन 1,80,114 वोटों के साथ सांसद बने और भाजपा के जवाहर लाल जायसवाल 76,096 वोट के साथ पांचवें नंबर पर रहे थे । मात्र सवा फीसदी वोट ही हासिल कर सके थे । घोसी से बसपा के दारा सिंह चौहान ने 2,20,695 वोटों के साथ जीत हासिल की और भाजपा के भाजपा के राम इकबाल को सिर्फ 95,340 वोट मिले । उनकी जमानत भी जब्त हो गई । 2009 लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्थिति , वाराणसी से डॉ . मुरली मनोहर जोशी (भाजपा, विजेता), बलिया नीरज शेखर (सपा) , मनोज सिन्हा बीजेपी (3), गाजीपुर से राधे मोहन सिंह (सपा), प्रभुनाथ बीजेपी (3), आजमगढ़ रमाकांत यादव (भाजपा, विजेता), मिजार्पुर से बाल कुमार पटेल (सपा), अनुराग सिंह बीजेपी (3), जौनपुर से धनंजय सिंह (बसपा), सीमा बीजेपी (3), भदोही से गोरखनाथ (बसपा), डॉ . महेंद्रनाथ पांडेय बीजेपी (5), चंदौली रामकिशुन (सपा), जवाहर जायसवाल बीजेपी (4), मछलीशहर तूफानी सरोज (सपा), विद्यासागर बीजेपी (3), सलेमपुर रमाशंकर राजभर (बसपा), घोसी दारा सिंह चौहान (बसपा), राम इकबाल बीजेपी (4), राबर्ट्सगंज पकौड़ी लाल (सपा), राम सकल बीजेपी (3) , लालगंज डॉ . बलिराम (बसपा), नीलम सोनकर बीजेपी (3) पर रही थी।

अनाथ बच्चों को मिलेगी फ्री कोचिंग की सुविधा

प्रखर खेतासराय जौनपुर। कस्बा स्थित त्रिपाठी कोचिंग संस्थान द्वारा ऐसे बच्चे जिनके पिता की मृत्यु किसी कारणवश हो गयी है अथवा वे विकलांग हैं तथा पढ़ना चाहतें हैं उनके लिए निःशुल्क शिक्षा देने का फैसला किया गया है। कोचिंग के व्यवस्थापक सौरभ तिवारी ने बताया कि हमारे द्वारा कोचिंग में पढ़ाने के लिए 7 अध्यापकों की अच्छी फैकल्टी के साथ पठन-पाठन करवाने का कार्य कराया जाता है। टीम द्वारा विद्यार्थियों को सिलेबस के अनुसार फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉयोलॉजी, मैथ तथा अंग्रेजी कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों को पढ़ाया जाता है।कमजोर विद्यार्थियों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है।साथ ही साथ ऐसे बच्चों को मुफ्त में टीशर्ट भी दिया जाता है।सौरभ बतातें हैं कि त्रिपाठी कोचिंग का मानना है कि किसी भी विद्यार्थी का सपना धन के आभाव अथवा शारीरिक अक्षमता के कारण न टूटने पाए उसी की दिशा में एक छोटी सी पहल है। बताते चलें कि सौरभ इलाहाबाद विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में एमएससी की डिग्री के साथ महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय से बीएड की डिग्री हासिल किए हुए हैं। तथा इनके छोटे भाई शशांक तिवारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय से गणित में एमएससी तथा महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय से बीएड की डिग्री प्राप्त किये हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

दबंगों ने मजदूरी मांगने पर युवक को मारपीट कर किया घायल, मुकदमा

प्रखर सहजनवां गोरखपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चरनाद निवासी जयचंद पुत्र बसंत ने थाना पुलिस को तहरीर देकर गांव के ही दबंगों पर मजदूरी मांगने पर लाठी डंडा से मार पीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। थाना क्षेत्र के जयचंद पुत्र बसंत ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 1 मई को रात करीब 10 बजे गांव के ही महेश पुत्र राजबली, सोनू, मोनू पुत्र महेश और प्रदीप पुत्र जीतू ने मजदूरी मांगने पर लाठी डंडा से मार पीट कर घायल कर दिए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल भिजवाया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विशाल कुमार उपाध्याय ने बताया कि जयचंद की तहरीर पर महेश, सोनू, मोनू और प्रदीप के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बैंक कर्मचारी ने FD/RD का झांसा देकर लूटे 18 लाख 50 हजार रुपए, खाता धारक ने लगाया आरोप

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज से साइबर ठगी का मामला सामने आया है जिसमें किसान के खाते से बैंक कर्मचारी के द्वारा 18 लाख 50 हजार रुपए को कूट-रचित ढंग से चुराने का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाने सहित उच्चाधिकारियों एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि वह महराजगंज जनपद के सोनौली कोतवाली क्षेत्र के आराजी सरकार उर्फ केवटलिया गांव का निवासी है। भारत नेपाल सीमा पर बन रहे इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (ICP) के दौरान भूमि अधिग्रहण में उसकी जमीन निकली थी इसके बाद उन्हें 89 लाख रुपए प्राप्त हुआ था जिसका भुगतान HDFC बैंक के खाते में हुआ था इसी बीच बैंक के ही एक कर्मचारी द्वारा घर आकर घंटों मोबाइल से ओटीपी का कुछ काम करते FD/RD करने का झांसा दिया गया लेकिन आज जब बैक गए तो खाते से 18 लाख 50 हजार रुपए को गायब देख सिर चकरा गया। जिसकी सूचना तत्काल बैंक शाखा प्रबंधक को दिया तो उन्होंने संबंधित कर्मचारी के ट्रांसफर हो जाने की बात कही और कार्यवाही कर पैसे वापस दिलाने का आश्वासन दिया।

भारत विकास परिषद सृजन शाखा द्वारा शिवपुर में दो जगहों पर लगाया गया प्याऊ

प्रखर वाराणसी। भारत विकास परिषद सृजन शाखा द्वारा अध्यक्षा शशि श्रीवास्तव व सचिव डॉ रमा सिंह व अन्य सदस्यों के सहयोग से चार जगहों पर प्याऊ लगवाया जा रहा है जो राहगीरों के लिये गर्मी में प्यास को कम करने में बहुत ही लाभप्रद है। अध्यक्षा शशि श्रीवास्तव ने बताया की शिवपुर रेलवे स्टेशन के पास मंदिर पर एवं गुरु नानक इंगलिश स्कूल के सामने दो जगहों पर प्याऊ लगाया गया है राहगीरों को मिष्ठान एवं गुड़ खिलाकर पानी पिलाया गया साथ ही दो प्याऊ रेडियंट ब्यूटी पार्लर सिगरा एवं लंका थाने के सामने नगवा पर 6 मई को लगाया जाएगा।

अवकाश प्राप्त शिक्षको के साथ नवाचारी शिक्षक व एआरपी हुए सम्मानित

पिंडरा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में शनिवार को अवकाश प्राप्त शिक्षको समेत एक दर्जन शिक्षको का सम्मान कम्पोजिट विद्यालय हरिनाथपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुआ। सम्मान समारोह के विशिष्ट अतिथि दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर बजरंग प्रसाद सिंह ने कहाकि बेसिक स्कूलों से स्वयं पढ़ कर प्रोफेसर बना और आज भी बेसिक से पढ़े बच्चे भी हर क्षेत्र में आगे जा रहे हैं। इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य प्रभाकर सिंह ने कहाकि शिक्षक भले विभाग से अवकाश ले ले लेकिन अपने कर्म और चरित्र से सदैव जीवित रहेगा और समाज का पथ प्रदर्शक बन जाता है। राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित व जिलामंत्री शैलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि आज जो स्थिति सरकार के द्वारा उत्पन्न की जा रही यदि हम सजग नही हुए तो बेसिक शिक्षा विभाग का भी निजीकरण सरकार करने से

परहेज नही करेगा। अध्यक्षीय भाषण देते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह ने कहाकि शिक्षक केवल शिक्षण करने वाला ही नही होता बल्कि समाज को सुधारने वाला होता है। जो जीवनपर्यंत करता है। स्वागत इप्र0अ0 संजय सिंह, संचालन एआरपी रंजन पाठक, धन्यवाद कमलेश कुमार ने ज्ञापित किया। इसके पूर्व इस वर्ष अवकाश प्राप्त शिक्षक अखिलेश सिंह, राकेश त्रिपाठी व अवधनारायण को अंगवस्त, स्मृति चिन्ह व बैंडबाजे के साथ भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान अच्छे शिक्षण कार्य करने वाले एक दर्जन शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।वही विदाई गीत की प्रस्तुति कर शिक्षक दिनेश यादव ने सबकी आंखे नम कर दी। इसके पूर्व सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं